आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 11 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 245
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

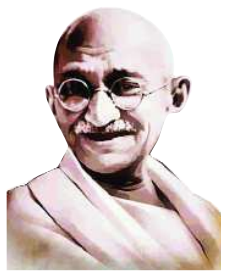

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

खजराना गणेश मंदिर की दान पेटियों से निकले 26 लाख

पेज-2

सुष्मिता ने बयां किया सी-ग्रेड फिल्मों में काम करने का सच

पेज-5

होलकर कॉलेज में लाइब्रेरी का गेट बंद

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- झारखंड बंद के समर्थन में बीजेपी का प्रदर्शन, रांची में जलाए टायर
- हिमाचल में भारी बारिश का अलर्ट, 5 जिलों में ऑरेंज और 4 में येलो अलर्ट
- NDA का 'मंगल मिलन', पीएम मोदी और सांसदों ने एक साथ लहराया तिरंगा
- हरिद्वार में टूटा कांवड़ का रिकॉर्ड, 4.43 करोड़ लोगों ने लिया गंगाजल
- स्वतंत्रता दिवस से पहले लाल किले के पास 21 गन सैल्यूट की रिहर्सल
- आगरा : शस्त्र लाइसेंस रिन्यूअल-ट्रांसफर पर देना होगा 1,000 अतिरिक्त शुल्क
- US ने वेनेजुएला में जब्त किए प्रतिबंधित दो तेल टैंकरों को कबाड़ में बेचा, भारत के तोड़े जाएंगे टैंकर
- डोनाल्ड ट्रंप ने साइन किया बच्चों के अलग-अलग वक्त पर टीके लगाने वाला आदेश
- AISA युवाओं को एकजुट करने के लिए आज पटना में शुरू करेगा 'Gen Z राइजिंग' अभियान
- मुंबई में आज से शुरू होगा दो दिवसीय BRICS फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव 2026
- तुर्की की संसद ने हजारों कुर्द लड़ाकों को सशर्त माफी देने वाले विधेयक को दी मंजूरी
- सुप्रीम कोर्ट में TMC के फंड को लेकर आज होगी सुनवाई

12-13 अगस्त की रात को साल का दूसरा व अंतिम सूर्यग्रहण

4 घंटे 31 मिनट का होगा ग्रहण, मोक्ष की स्थिति 13 की मध्य रात्रि 01:27:09 बजे पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● इस वर्ष का द्वितीय एवं अंतिम सूर्यग्रहण अमावस्या 12-13 अगस्त को होगा। यह पूर्ण सूर्यग्रहण होगा। भारतीय मानक समय के अनुसार ग्रहण रात्रि 09:04:3 बजे से मध्य रात्रि 01:27:09 तक होगा। सूर्यग्रहण एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना होती है। सूर्यग्रहण तब होता है जब सूर्य और पृथ्वी के बीच चन्द्रमा आ जाता है। उज्जैन जीवाजीराव वेधशाला के अनुसार बुधवार रात को खगोलीय घटना होने जा रही है। जो की सूर्य ग्रहण के रूप में होगी। वेधशाला के सूत्रों के अनुसार चन्द्रमा दीर्घवृत्ताकार कक्षा में पृथ्वी की परिक्रमा करता है जिससे कभी-कभी अमावस्या को पृथ्वी तथा सूर्य के मध्य एक सीध में स्थित होता है। पूर्ण ग्रहण की स्थिति तब होती है जब चन्द्रमा, पृथ्वी से पास की स्थिति में पृथ्वी तथा सूर्य के मध्य आता है जिससे वह सूर्य को पूरा ढंक लेता है।

ग्रहण की अवधि 4 घंटे 31 मिनट तक होगा ग्रहण

पूर्ण सूर्यग्रहण का प्रारंभ 12 अगस्त को भारतीय मानक समय के अनुसार रात्रि 09:04:3 बजे से होगा। मध्य की स्थिति दिनांक 12 अगस्त 2026 को मध्य रात्रि 11:15:09 बजे पर होगी। इस समय सूर्य का 103.8 प्रतिशत भाग चंद्रमा के द्वारा ढक लिया जाएगा। जिससे कुछ समय के लिए अंधकार की स्थिति बन जाएगी।

मोक्ष की स्थिति 13 अगस्त को मध्य रात्रि 01:27:09 बजे पर होगी। ग्रहण की अवधि 4 घंटे 31 मिनट तक रहेगी। भारत में इस समय रात्रि होने के कारण यह पूर्ण सूर्यग्रहण दृश्य नहीं होगा। यह सूर्यग्रहण पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, ग्रीनलैण्ड, उत्तरी अटलांटिक महासागर एवं उत्तरी प्रशांत महासागर में बहुत अच्छी प्रकार से देखा जा सकेगा।

अक्षय की बात अपनो के साथ

फुटपाथ पर कब्जा दुकानदार का, दोषी खरीददार क्यों?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर का राजबाड़ा केवल एक बाजार नहीं, शहर की पहचान है। यहां रविवार को भीड़ होना कोई नई बात नहीं। महिलाएं खरीदारी करने आएंगी, परिवार आएंगे, बच्चे आएंगे और बाजार गुलजार रहेगा-यही तो किसी जीवंत बाजार की पहचान है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बाजार में भीड़ बढ़ जाने से फुटपाथ पर कब्जा करने की अनुमति मिल जाती है?

रविवार को राजबाड़ा में अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था को लेकर सामने आया तर्क इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि समस्या का कारण अतिक्रमणकारी नहीं, खरीदारी करने आई भीड़ को बताया जा रहा है। यदि वास्तव में व्यवस्था बिगड़ने का कारण महिलाओं की खरीदारी है, तो फिर सवाल उठता है कि नगर निगम का रिमूव्हल अमला आखिर किसके लिए तैनात है?

फुटपाथ जनता का है या दुकानदार का?

फुटपाथ इसलिए बनाए जाते हैं कि पैदल चलने वालों को सुरक्षित रास्ता मिल सके। लेकिन राजबाड़ा में स्थिति कई बार उलट दिखाई देती है। सड़क किनारे हाथ ठेले, अस्थायी दुकानें और सामान फुटपाथ पर फैल जाता है और पैदल चलने वाला व्यक्ति सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाता है।

यह केवल अतिक्रमण नहीं, पैदल नागरिक के अधिकार पर कब्जा है और जब इस स्थिति पर सवाल उठता है तो जवाब मिलता है- 'रविवार को बहुत भीड़ थी।' भीड़ तो बाजार में हमेशा रहेगी। सवाल यह है कि भीड़ को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी किसकी है?

'भीड़ बहुत थी' जवाब नहीं हो सकता- यदि किसी सड़क पर ट्रैफिक जाम हो जाए तो क्या यह कहा जा सकता है कि वाहन बहुत ज्यादा थे, इसलिए जाम हो गया? यदि अस्पताल में मरीज ज्यादा हों तो क्या अस्पताल प्रबंधन कह सकता है कि मरीज कम हो जाएं तो व्यवस्था ठीक हो जाएगी?

ठीक यही तर्क राजबाड़ा में भी लागू होता है। जनता का बाजार में आना समस्या नहीं है, जनता के लिए रास्ता उपलब्ध नहीं होना समस्या है। रविवार की भीड़ बाजार की लोकप्रियता का प्रमाण है, प्रशासनिक विफलता का बहाना नहीं।

अब किसान मोर्चा अध्यक्ष की नियुक्ति पर उठा विवाद पुराने नेताओं को दरकिनार करने पर मचा घमासान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर रजनीश वर्मा की नियुक्ति के बाद पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा के जमीनी और खाटी नेताओं के एक बड़े वर्ग में नियुक्ति को लेकर नाराजगी बताई जा रही है।

कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा है कि जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा और जयपाल सिंह चावड़ा की भूमिका में हुए इस निर्णय से पुराने और सक्रिय कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हुई है। नाराज कार्यकर्ताओं का आरोप है कि किसान मोर्चा जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक पद के लिए स्थानीय स्तर पर लंबे समय से सक्रिय किसान नेताओं और खाटी भाजपाइयों की दावेदारी को

नजरअंदाज किया गया। इसके बजाय रजनीश वर्मा को जिम्मेदारी दी गई, जिनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि को लेकर पार्टी के भीतर सवाल उठाए जा रहे हैं। भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन की मजबूती का आधार वर्षों से पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति करते समय उनकी राय और स्वीकार्यता को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कार्यकर्ताओं के एक वर्ग का आरोप है कि मौजूदा नियुक्ति ने पुराने नेताओं और किसान कार्यकर्ताओं की नाराजगी को और बढ़ा दिया है।

चावड़ा की कार्यशैली फिर निशाने पर इस नियुक्ति के बाद जयपाल सिंह चावड़ा की कार्यशैली भी एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि इंदौर में संगठनात्मक जिम्मेदारी के दौरान भी उनके कुछ फैसलों को लेकर असंतोष की स्थिति बनी थी। अब किसान मोर्चा की नियुक्ति के बाद पुराने कार्यकर्ताओं में यह सवाल उठ रहा है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में स्थानीय संगठन और जमीनी नेताओं की राय को कितना महत्व दिया रहा है।

वेतन घोटाले के बाद कर्मचारियों के बैंक खातों का होगा सत्यापन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम में सामने आए वेतन घोटाले के बाद अब निगम प्रशासन ने कर्मचारियों के रिकॉर्ड को लेकर बड़ा सत्यापन अभियान शुरू किया है। निगम के सभी 22 जोन कार्यालयों और विभिन्न विभागों में कार्यरत 15 हजार से अधिक कर्मचारियों के बैंक खातों और सर्विस रिकॉर्ड का क्रॉस वेरिफिकेशन किया जा रहा है। कर्मचारियों से बैंक पासबुक और खाते की जानकारी मांगी गई है। निगम रिकॉर्ड में दर्ज बैंक खाते और जिस खाते में वेतन जमा हो रहा है, उसका मिलान किया जा रहा है। इसके साथ ही कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन और बैंक से खातों की जानकारी का फीडबैक भी लिया जा रहा है।

22-23 भुगतान कैंसिल होने से खुला था राज

दरअसल जून का वेतन जुलाई में जारी करने की प्रक्रिया के दौरान एक साथ 22-23 भुगतान बैंक से कैंसिल हो गए थे। इसकी जानकारी लेखा विभाग के अपर आयुक्त (राजस्व) देवधर दरवई को दी गई। जांच में बैंक डिटेल और निगम रिकॉर्ड में दर्ज कर्मचारी की जानकारी अलग मिली। इसके बाद 22-23 खातों की पड़ताल की गई तो पांच खातों में गड़बड़ी सामने आई।

अब छलका तुलसी सिलावट का भी दर्द

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ग्वालियर ● अब मंत्री तुलसी सिलावट का दर्द उनकी जुबां पर आया है। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कहते नजर आ रहे हैं- 'हम तो लूप लाइन में हैं।' यह वीडियो दतिया उपचुनाव के नतीजे आने से पहले का बताया जा रहा है। वे ग्वालियर में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, किसी भी मुद्दे पर मीडिया से अपनी बात साझा करने से इनकार कर देते हैं। मंत्री जी कहते हैं- 'खबर हमको देना ही नहीं... हम तो लूप लाइन में हैं।' इतना कहने के बाद वे हंसने लगते हैं। अब उनके इस वीडियो पर लोग चुटकी ले रहे हैं। कह रहे हैं कि मंत्री जी ने भले ही हंसी में बात टाल दी हो, लेकिन दर्द यूं ही जुबां पर नहीं आता। आखिर कहीं तो कुछ गड़बड़ है।

शिवराज के खिलाफ शिकायत के बाद रिटायर्ड अधिकारी ने मांगी पुलिस सुरक्षा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ शिकायत करने के बाद रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी और सिस्टम परिवर्तन अभियान के अध्यक्ष आजाद सिंह डबास ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना को पत्र लिखकर तत्काल पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

डबास ने पत्र में कहा है कि वे मध्य प्रदेश में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर कथित भ्रष्टाचार के मामलों को सामने लाने के लिए सिस्टम परिवर्तन अभियान चला रहे हैं। उनका दावा है कि इस अभियान के तहत पहले भी मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शिकायतें भेजी गई हैं। इसके बाद से उन्हें धमकियां मिलने लगी हैं। डबास

एफआईआर और पुतले जलाने की बात का भी जिक्र

डीजीपी को भेजे पत्र में डबास ने दावा किया है कि कुछ लोगों की ओर से उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की बात कही जा रही है। साथ ही उनके घर, गली-मोहल्ले और गांव-गांव में पुतले जलाने का आह्वान किए जाने की बात भी पत्र में कही गई है। उन्होंने आशंका जताई है कि इस तरह के आह्वान से भीड़ को उनके खिलाफ उकसाया जा सकता है और उन पर कभी भी हमला हो सकता है। डबास ने डीजीपी से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उचित पुलिस सुरक्षा देने का अनुरोध किया है।

के मुताबिक, उन्होंने 2 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ महानिदेशक, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) और लोकायुक्त को शिकायत भेजी थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट सामने आईं। उन्होंने इन्हीं पोस्ट और अन्य गतिविधियों का हवाला देते हुए अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताई है।

एमपी बोर्ड ने बदल दिया परीक्षा पैटर्न, अब सीबीएसई की तर्ज पर पूछे जाएंगे सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● एमपी बोर्ड ने सत्र 2026-27 के लिए नया प्रश्नपत्र पैटर्न जारी किया है। नौवीं से बारहवीं तक अब सीबीएसई की तर्ज पर सवाल पूछे जाएंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों में विकल्प नहीं मिलेगा। जानिए और क्या-क्या बदलने वाला है।

एमपी बोर्ड ने सत्र 2026-27 का नया प्रश्नपत्र पैटर्न जारी किया है। नौवीं से बारहवीं तक सभी पेपर अब सीबीएसई की तर्ज पर बनेंगे। सवाल अब सीधे नहीं, तार्किक तरीके से पूछे जाएंगे। लघु उत्तरीय सवालों में अब कोई विकल्प नहीं मिलेगा। दीर्घ उत्तरीय सवालों की संख्या घटाकर तीन कर दी गई है। एमपी बोर्ड (मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल) ने नया पैटर्न जारी किया है। यह पैटर्न सत्र 2026-27 से लागू होगा। नौवीं से बारहवीं तक हर विषय का पेपर अब बदलेगा। यह पेपर सीबीएसई (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन) की तर्ज पर बनेगा। यानी अब सवाल सीधे नहीं पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को तर्क लगाकर जवाब देना होगा। इसके लिए उन्हें पूरी किताब ध्यान से पढ़नी पड़ेगी।

बदले पैटर्न में क्या है खास- मंडल ने कक्षा दसवीं और बारहवीं दोनों के लिए मार्किंग स्कीम जारी की है। दसवीं के पेपर में कुल तेईस सवाल होंगे। पूरे पेपर के

पचहत्तर अंक तय हैं। इसमें वस्तुनिष्ठ यानी ऑब्जेक्टिव सवालों के तीस अंक तय हैं। बाकी अंक अति लघु, लघु और दीर्घ उत्तरीय सवालों में बंटे हैं। पहले दीर्घ उत्तरीय सवाल चार होते थे। अब इनकी संख्या घटाकर तीन कर दी गई है। लघु उत्तरीय सवाल भी अब सिर्फ तीन ही पूछे जाएंगे। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि लघु उत्तरीय सवालों में अब विकल्प नहीं मिलेगा। पहले विद्यार्थी दिए गए विकल्पों में से आसान सवाल चुन लेते थे। अब हर सवाल का जवाब देना जरूरी होगा।

अति लघु उत्तरीय सवाल बढ़ाए गए

दसवीं के पेपर में अति लघु उत्तरीय सवालों की संख्या बारह रखी गई है। हर सवाल के दो अंक तय हैं। इस तरह इन सवालों के कुल चौबीस अंक बनते हैं। यह हिस्सा विद्यार्थियों के लिए अभ्यास का बड़ा मौका है। इसमें सोच समझकर छोटा और सटीक जवाब लिखना होता है। बारहवीं के गैर प्रायोगिक विषयों का पेपर अस्सी अंक का होगा। इसमें अति लघु उत्तरीय दस सवाल पूछे जाएंगे, जिनके बीस अंक तय हैं। लघु उत्तरीय चार सवाल बारह अंक के होंगे। दीर्घ उत्तरीय चार सवाल सोलह अंक के रहेंगे।

प्रायोगिक पेपर होगा अलग- बारहवीं के प्रायोगिक यानी प्रैक्टिकल वाले विषयों का पेपर सत्तर अंक का रहेगा। इसमें वस्तुनिष्ठ सवालों के अट्ठाईस अंक तय हैं। अति लघु उत्तरीय सात सवाल चौदह अंक के होंगे। लघु उत्तरीय चार सवाल बारह अंक के होंगे। दीर्घ उत्तरीय चार सवाल सोलह अंक के होंगे। बाकी अंक प्रैक्टिकल परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन से मिलेंगे। मंडल का कहना है कि यह ढांचा विद्यार्थियों को समय प्रबंधन सिखाएगा। साथ ही रटने की आदत भी कम होगी।

किताबें भी सीबीएसई पैटर्न पर-मंडल ने सिर्फ दसवीं और बारहवीं तक सीमित नहीं रखा है। नौवीं से बारहवीं तक सभी किताबें सीबीएसई पैटर्न पर लागू हैं। पाठ्यपुस्तक निगम अब इसी अनुसार किताबें छापता है। साल 2022-23 तक परीक्षा का पैटर्न पुराने ढर्रे पर चलता था। पिछले साल से मंडल ने इसमें बड़ा बदलाव किया। इस साल यह बदलाव और गहरा हो गया है। मंडल के मुताबिक आने वाले सालों में भी यह पैटर्न जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल आज इंदौर प्रवास पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल आज इंदौर प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पटेल भोपाल से इंदौर पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। पटेल दोपहर भोपाल से इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे। वे दोपहर 3:30 बजे इंदौर पहुंचेंगे तथा ओशियन मेडिसिटी हॉस्पिटल, लिम्बोदी खंडवा रोड, इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के पश्चात राज्य मंत्री पटेल सायं 5:30 बजे इंदौर से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र माथुर को किया याद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वतंत्र भारत में हिन्दी पत्रकारिता को स्थापित करने वाले मालवांचल के प्रतिभाशाली पत्रकार, नईदुनिया, नवभारत टाईम्स जैसे प्रतिष्ठित अखबारों के पूर्व संपादक एवं इन्दौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र माथुर की 91 वीं जयंती (7 अगस्त) पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं इंदौर प्रेस क्लब के सक्रिय सदस्य मुकेश भार्गव ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया।

फ़ोनपे ने लॉन्च किया फ़िक्स्ड डिपॉजिट डिस्ट्रीब्यूशन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फ़ोनपे ने आज टॉप बैंकों और NBFC के साथ साझेदारी करते हुए अपने प्लेटफॉर्म पर फिक्स्ड डिपॉजिट डिस्ट्रीब्यूशन की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की। अपनी फाइनेंशियल सर्विस के दायरे को बढ़ाते हुए, फोनपे ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ साझेदारी में एक नया और अपनी तरह का पहला डिजिटल माइक्रो-सेविंग्स प्रॉडक्ट — डेली रिकरिंग डिपॉजिट भी पेश किया है। इस सुविधा में शुरुआती निवेश रोज़ाना मात्र 100 है। इस तरह यूज़र्स, कम निवेश में ही बचत करने की अच्छी आदत डाल सकते हैं।

टैगलाईन की 20वीं सालगिरह पर मना लोकसंगीत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज टाटा प्ले ने अपनी 20वीं सालगिरह के लिए एक नया विज्ञापन अभियान शुरू किया। 'लाईफ झिंगालाला' की प्रतिष्ठित टैगलाईन के साथ यह अभियान भारत में संगीत की विविधतापूर्ण विरासत को पेश करता है, जिससे भारत में लाखों परिवारों के साथ टाटा प्ले का स्थायी संबंध प्रदर्शित होता है।

डीएस ग्रुप की पल्स कैंडी ने स्पाइडर-मैन फिल्म के साथ किया कोलैबोरेशन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रमुख एफएमसीजी समूह और मल्टी-बिज़नेस कॉरपोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के पॉपुलर ब्रांड पल्स कैंडी ने फिल्म स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे के साथ 360-डिग्री कंज्यूमर एंगेजमेंट कैंपेन के लिए स्ट्रैटेजिक कोलैबोरेशन का ऐलान किया है। यह साझेदारी पल्स कैंडी की ब्रांड यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और मनोरंजन आधारित सहयोगों में अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। इस कैंपेन में लिमिटेड एडिशन पैकेजिंग, हाई-इम्पैक्ट मीडिया और देशभर के कंज्यूमर्स की सक्रिय भागीदारी शामिल है।

बलराम कृषि महोत्सव को सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाएं : मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बलराम कृषि महोत्सव सिर्फ किसानों का नहीं, यह हमारी भारतीय कृषि संस्कृति का उत्सव है। इसीलिए इसे एक सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाया जाए। इन दिनों प्रदेश में सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाया जा रहा है। बड़ी संख्या में किसानों और ग्रामीणों की इसमें सहभागिता इस बात का प्रतीक है कि किसान स्वप्रेरणा से इस महोत्सव से जुड़ रहे हैं।

तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा के प्रकोष्ठ शुरू करेंगे जन जागरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा इंदौर नगर की तिरंगा यात्रा को लेकर आज भाजपा कार्यालय पर मोर्चों की तैयारी बैठकें सम्पन्न हुई। महिला मोर्चा की बैठक में प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हार्डिया, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, देवेन्द्र शर्मा, यात्रा प्रभारी भारत पारख, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले, मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा कि सुखद संयोग है कि आज सावन का महीना है, सोमवार का दिन है, प्रदोष व्रत है और महाकाल बाबा के दर्शन करके मैं भारत में 12 ज्योतिर्लिंग है, उन ज्योतिर्लिंगों का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और पुनर्निर्माण करने वाली इंदौर की राजमाता जिन्हें हम लोकमाता कहते हैं, उन्हीं की पावन भूमि पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आप को पता है क्या तिरंगा यात्रा और इंदौर का क्या सम्बंध है, तिरंगा यात्रा पूरे देश में निकल रही है, लेकिन इंदौर की तिरंगा यात्रा का महत्व क्यों है और इंदौर में 13 अगस्त को निकल रही है, तो 13 अगस्त की तिथि का महत्व क्या ही है? 13 अगस्त को देशभर में धर्म ध्वजा की स्थापना करने वाली अहिल्या माता की पुण्यतिथि है। भाजपा 9 अगस्त से 13 अगस्त के बीच तिरंगा यात्रा क्यूँ निकालती है उसका एतिहासिक और मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि अगस्त क्रांति से पहले 8 अगस्त को गांधीजी ने भारत छोड़ो आंदोलन का विचार किया।

खजराना गणेश मंदिर की 10 दान पेटियों से निकले 26 लाख

अवैध कटोरे हटने के बाद इस बार ज्यादा दान राशि निकलने का अनुमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लगभग साढ़े तीन माह बाद आज खजराना गणेश मंदिर की 10 दान पेटियां खोली गईं। इन दान पेटियों से अब तक 26 लाख रुपए की दान राशि निकल चुकी है। ये दान पेटियां खजराना गणेश मंदिर परिसर में बने छोटे-छोटे मंदिरों की हैं। मंदिर के प्रबंधक घनश्याम शुक्ला ने बताया कि पहले दिन इन दस दान पेटियों से निकली दान राशि की गणना की जा चुकी है। मंदिर में कुल 40 दान पेटियां हैं। जिनमें मुख्य गणेश मंदिर, शिव मंदिर और दुर्गा मंदिर की दान पेटियों से सबसे ज्यादा राशि निकलती है। इन दान पेटियों को कल या परसों खोला जाएगा। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर और मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष शिवम वर्मा द्वारा पिछले मंदिर में पुजारीयों द्वारा अवैध रूप से कटोरा रखकर दान राशि लेने पर रोक लगा दी गई थी। कलेक्टर को शिकायत मिली थी कि प्रबंध समिति द्वारा प्रत्येक पुजारी परिवार को पूजा पाठ करने के एवज में प्रतिमाह पौने दो लाख रुपए की राशि मानदेय के रूप में दी जाती है। मंदिर विधान के अनुसार इस राशि के अतिरिक्त मंदिर के पुजारीयों को किसी भी तरह की चढ़ोतरी लेने का अधिकार नहीं है। इसके बावजूद भी लंबे समय से पुजारी सभी मंदिरों में कटोरा रखकर दान राशि ले रहे थे। जिससे दान पेटियों में कम राशि जा रही थी। अब कटोरा हट जाने के बाद इस बार दान पेटियों से पहले से ज्यादा दान राशि निकलने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बिजली आपूर्ति सुधार के लिए कवर्ड कंडक्टर स्थापित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के औद्योगिक क्षेत्र की आपूर्ति सुधार के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शहर वृत्त अंतर्गत पालदा औद्योगिक क्षेत्र एवं सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र में कवर्ड कंडक्टर(तार) लगाए जा रहे हैं, इससे औद्योगिक क्षेत्र में फाल्ट में व्यापक रूप से कमी आएगी। अभी तक पालदा और सांवेर रोड सेक्टर सी के 4 फीडरों पर 16 किमी कवर्ड कंडक्टर स्थापित किए जा चुके हैं, यह कार्य सतत जारी हैं। अन्य क्षेत्र में भी आपूर्ति सुधार के विशेष प्रयासों के श्रृंखला में इस तरह के कार्य प्रस्तावित हैं।

हंसदास मठ पर नीलकंठेश्वर के रूप में समुद्र मंथन लीला की झांकी देखने उमड़े श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एरोड्रम रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर श्रावण के दूसरे सोमवार को हंसेश्वर महादेव का नीलकंठेश्वर के रूप में देव-असुर संग्राम और समुद्र मंथन लीला का मनोहारी दृश्य झांकी के रूप में देखने के लिए संध्या को भक्तों का मेला जुटा रहा। झांकी में भगवान शिव को समुद्र मंथन में निकले विष का पान करते हुए दिखाया गया था। महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज ने बताया कि मठ पर विद्वान पंडितों ने हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज के सानिध्य में श्रावण मास के उपलक्ष्य में सोमवार को हंसेश्वर महादेव का सूखे मेवे, फूलों, पत्तियों एवं सुगंधित द्रव्यों से नीलकंठेश्वर के रूप में मनोहारी श्रृंगार किया। सुबह विद्वान आचार्यों द्वारा अभिषेक, पूजन के अनुष्ठान किए गए। इस अवसर पर मठ स्थित सभी देवालयों का आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। मठ पर दिनभर भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। संध्या को हंसेश्वर महादेव का श्रृंगार दर्शन करने के लिए भक्तों का मेला जुटा रहा। मठ स्थित सभी देवालयों का मनोहारी पुष्प श्रृंगार देखने के लिए देर रात तक भक्तों की आवाजाही बनी रही। फलाहारी प्रसाद का वितरण भी किया गया।

भव्य कार कावड यात्रा 23 अगस्त रविवार को निकाली जाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आस्था और भक्ति का एक अनूठा संगम श्रावण माह के पवित्र मास में परंपरागत कार कावड यात्रा को लेकर श्री परशुराम युवा सेना राष्ट्रीय संगठन की कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई संस्थापक अध्यक्ष पंडित वैभव पांडेय द्वारा बताया गया इस वर्ष भी परम्परागत कार कावड यात्रा वर्ष 6 इंदौर से उज्जैन महाकाल मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी , जिसमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं को यात्रा के माध्यम से धर्म और हिन्दू संस्कृति से जोड़ा जाए इस विषय में बैठक सम्पन्न हुई मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से आशीष शुक्ला, राम अवस्थी, पल्केश मिश्रा, मयंक पांडेय, सुरेश गोस्वामी, शुभम पुरोहित, प्रदोष शर्मा, सोनू झा, सोनू शर्मा एवं युवा साथी उपस्थित हुए आभार महासचिव गौरव पांडेय जी ने माना।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

विशेष अभियान में 02 प्रतिष्ठानों से 535 किलो संदिग्ध खाद्य पदार्थ जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में मिलावट एवं अमानक खाद्य पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर इंदौर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेशभर में दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने वाले दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के दौरान बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ घी ब्रांडों के नमूने अमानक पाए जाने पर आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा संबंधित ब्रांडों के विरुद्ध विशेष नमूना कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

इसी क्रम में आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा सिंध डेयरी फार्म, 8 चंदन भवन, 7 मुराई मोहल्ला, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर प्रभारी श्री दीपेश गुरनानी उपस्थित पाए गए। परिसर के निरीक्षण में पाया गया कि यहां पनीर, दही एवं घी का निर्माण किया जाता है तथा दूध, दही, पनीर, घी आदि खाद्य पदार्थों का थोक एवं रिटेल विक्रय किया जाता है।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान प्रभारी द्वारा खाद्य अनुज्ञप्ति प्रस्तुत की गई, जो खाद्य पदार्थों के निर्माण हेतु वैध नहीं पाई गई तथा केवल थोक एवं रिटेल विक्रय हेतु वैध पाई गई। परिसर में घी प्लेन टिन में रखा हुआ पाया गया, जिस पर खाद्य पदार्थ से संबंधित आवश्यक जानकारी अंकित नहीं थी। प्रतिष्ठान प्रभारी द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा कभी-कभी घी का निर्माण किया जाता है, जबकि मौके पर रखा घी बाहर से खरीदकर विक्रय हेतु मंगवाया गया है। उक्त घी की खरीदी संबंधी कोई बिल भी प्रतिष्ठान प्रभारी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर होंगे जिला, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य, जिला जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर गरिमा मय कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गये है।

इस संबंध में जारी परिपत्र के अनुसार भोपाल में मुख्यमंत्री द्वारा प्रातः 9 बजे के पूर्व शौर्य स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। तत्पश्चात प्रातः 9 बजे मुख्यमंत्री लाल परेड ग्राउण्ड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वजारोहण करेंगे एवं प्रदेश की जनता को संबोधित करेंगे। शौर्य स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण लाल परेड ग्राउण्ड भोपाल में किया जाएगा। पुलिस, एस.ए.एफ., सी.आई.एस.एफ., जेल गार्ड, होम गार्ड, एन.सी.सी. एवं स्काउट गाइड्स की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। संयुक्त परेड द्वारा मुख्यमंत्री जी को 'गार्ड आफ ऑनर' दिया जाएगा।

आजीविका मिशन की महिला समूह सदस्यों ने दिया देशभक्ति और एकता का संदेश

इंदौर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विकासखंड सांवेर में आजीविका मिशन से जुड़े स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। अभियान के अंतर्गत महिलाओं ने अपने गांवों और आसपास के क्षेत्रों में आकर्षक तिरंगा रंगोलियों का निर्माण कर लोगों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं द्वारा बनाई गई रंगोलियों में तिरंगे के रंगों के साथ देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र गौरव की भावना को खूबसूरती से उकेरा गया।

केन्द्रीय जेल में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रावण मास के पावन अवसर पर केन्द्रीय जेल इंदौर में स्थापित शिवलिंग के पंचम वर्ष के उपलक्ष्य में आज सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, मध्यप्रदेश के महानिदेशक श्री वरुण कपूर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय जेल इंदौर के मुख्य द्वार पर जेल अधीक्षक दिनेश नरगावे एवं जेल अधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि श्री वरुण कपूर का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात केन्द्रीय जेल के मुख्य सभागृह में श्री वरुण कपूर ने प्रथम पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया।

शिव स्त्रोत एवं मंत्रोच्चार के साथ हुआ पार्थिव शिवलिंग निर्माण-महायज्ञ के मुख्य शिवलिंग निर्माण का संकल्प मुख्य यजमान दंपती श्री वरुण कपूर एवं श्रीमती सोम्या कपूर द्वारा लिया गया। शिव स्त्रोत, मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

दर्जी समाज का चुनाव अधिकारी खबर से बौखलाया, पत्रकार को दी धमकी

सच का आईना दिखाने वाले पत्रकार को दबाने की कोशिश

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

दर्जी समाज के चुनाव में उम्मीदवारों की अमानत राशि निर्धारित समय-सीमा में वापस नहीं किए जाने संबन्ध में खबर संध्या दैनिक इंदौर संकेत में प्रकाशित की गई थी खबर सामने आते ही चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल सांवेर कांग्रेस नेता द्वारा मुझे फोन कर कथित रूप से डराने-धमकाने और धमकी देने लगा फोन पर कथित तौर पर कहा गया मैं आपको देख लूंगा मानहानि करूंगा आपसे बदला जरूर लूंगा मुझे जानता नहीं हो यह बात दर्जी समाज के चुनाव अधिकारी द्वारा पत्रकार को की गई लेकिन खबर प्रकाशित होते ही दर्जी समाज में खबर चर्चा का विषय बन गई पहले भी चुनाव में हुए धांधली को लेकर इंदौर संकेत ने प्रमुखता से खबरें प्रकाशित की थी।

दर्जी समाज के चुनाव अधिकारी पर लगे जमानत राशि गबन करने के आरोप

ट्रस्ट के चुनाव में धांधली को लेकर भी जल चुके चुनाव अधिकारी के पुतले

निलेश चौहान : 94250 77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

एक तरफ तो चुनाव अधिकारी को नियमों का पालन करना था वहीं दूसरी तरफ अमानत राशि को तय समय सीमा पर प्रत्याशियों को देनी चाहिए थी। लेकिन आठ माह बीत जाने के बाद भी राशि का वितरण नहीं किया गया इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अमानत में खयानत करने की मंशा दिख रही है। ना कोई लिखित में लेटर जारी किया गया उल्टा खबर प्रकाशित होते ही चुनाव अधिकारी बौखला गए और पत्रकार को धमकी देने लगे यह कहां का न्याय है।

पत्रकार को डराने एवं धमकाने के मामले में दर्जी समाज का एक धड़ा समाज के चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल के खिलाफ इंदौर डीआईजी और ग्रामीण एसपी के समक्ष शिकायत करने की तैयारी कर रहा है सुभाष गोयल जैसे लोग समाज को बदनाम करने का काम कर रहे हैं अमानत राशि में लगातार नियमों की धज्जियां उड़ाई गई।

ECINET बना निर्वाचन सेवाओं का लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत निर्वाचन आयोग का ECINET नामक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगिता के लिहाज से लोकप्रिय हो रहा है। आयोग के इस मोबाइल ऐप को लगभग 10 करोड़ 80 लाख यूजर्स ने डाउनलोड किया है। यह प्लेटफॉर्म निर्वाचन संबंधी सभी जानकारी एवं सेवाओं के लिए एक समग्र डिजिटल मंच है। ECINET की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर की थी। इसके विकास की घोषणा मई 2025 में की गई थी। इसका शुभारंभ दिल्ली में 22 जनवरी 2026 को किया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का कहना है कि ECINET का विकास पूर्णतः विधिक प्रावधानों के अनुरूप है। यह प्लेटफॉर्म हिंदी-अंग्रेजी सहित संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में उपलब्ध है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 11 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

बर्फानी धाम क्षेत्र में प्रजा का हाल जानने निकले पालकी में विराजित पुष्पदंतेश्वर महादेव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बर्फानी धाम के पीछे गणेश नगर के शिव हनुमान मंदिर से फूलों से सुसज्जित पालकी में विराजित होकर पुष्प दंतेश्वर महादेव आज शाम नगर भ्रमण पर अपनी प्रजा का हाल जानने निकले। पालकी के आगे-आगे भक्तों की टोली के साथ ढोल नगाड़े, झांज मजीरे और भजन मंडली में शामिल श्रद्धालु और मातृशक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। माता केशरबाई धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास की मेजबानी में निकली इस पालकी यात्रा के पूर्व क्षेत्र के भक्तों ने उत्सव संयोजक तुलसीराम रघुवंशी एवं रेवत सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन में भगवान का मनोहारी श्रृंगार भी किया।

अन्नपूर्णा आश्रम पर दूसरे सोमवार को अर्धनारीश्वर के रूप में सजे बाबा भोलेनाथ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के पश्चिमी क्षेत्र स्थित अन्नपूर्णा मंदिर पर श्रावण मास में 11 विद्वान पंडितों द्वारा महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि के सानिध्य में लघु रूद्र एवं सहस्त्रार्चन अनुष्ठान जारी है। आश्रम के संचालक स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि ने बताया कि दूसरे सोमवार को भगवान काशी विश्वनाथ के सहस्त्रार्चन के साथ ही मुख्य मंदिर पर फूलों, पत्तियों एवं रंगीन गुब्बारों, बर्फ, रूई आदि से भगवान अर्धनारीश्वर के रूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। भगवान शिव का सहस्त्रार्चन भी किया गया। प्रमुख मंदिरों में आकर्षक श्रृंगार कर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर के ट्रस्टी श्याम सिंघल ने बताया कि आश्रम स्थित शिव मंदिर पर दूसरे सोमवार को सुबह से देर शाम तक भक्तों की कतारें लगी रही। यहाँ पूरे श्रावण माह शिव मंदिर सहित सभी देवालयों में विशेष श्रृंगार, पूजन एवं दर्शन के प्रबंध किए गए हैं।

विद्याधाम में गौरी-शंकर के रूप में सजी भोले बाबा की जीवंत झांकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में चल रहे श्रावणी अनुष्ठान के दौरान सावन के दूसरे सोमवार को देश में सुख, शांति और समृद्धि तथा सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के उद्देश्य से आश्रम के 31 विद्वान आचार्यों एवं ब्राह्मणों द्वारा अभिषेकात्मक लघु रूद्र महायज्ञ किए गए। सावन सोमवार के उपलक्ष्य में संध्या को शिव मंदिर में अनेक किस्म के फूलों, पत्तियों, रुई, रंगबिरंगी पन्नियों एवं भस्म से भगवान का गौरी-शंकर एवं त्रिशूलधारी शंकरजी के रूप में मनोहारी श्रृंगार किया गया जिसके दर्शनार्थ देर रात तक हजारों श्रद्धालु सपरिवार पहुंचे।

गीता भवन में शिवजी का रुद्राभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रावण के दूसरे सोमवार को गीता भवन में पांच विद्वान ब्राह्मणों ने आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री के सानिध्य में बिल्व पत्र एवं फूलों से भगवान भोले शंकर का रुद्राभिषेक किया। श्रावण के पूरे माह में गीता भवन पर अनेक अनुष्ठान चल रहे हैं। प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव का रुद्राभिषेक भी पहले सोमवार से जारी है। भक्तों के दर्शनार्थ गीता भवन स्थित प्रमुख देवालयों का विशेष श्रृंगार कर आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा की गई है। रुद्राभिषेक में ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी, मनोहर बाहेती, प्रेमचंद गोयल, दिनेश मित्तल, हरीश माहेश्वरी सहित ट्रस्ट मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों से रिकवरी करेगी निजी एजेंसी

दैनिक इंदौर संकेत

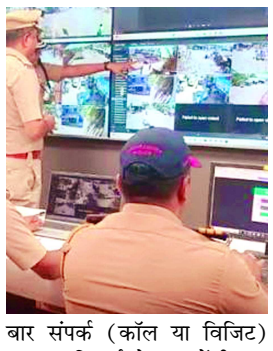

उज्जैन • शहर में यातायात नियम तोड़कर ई-चालान की राशि नहीं जमा कराने वाले वाहन चालकों से राशि वसूली के लिए अब उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड (यूएससीएल) निजी एजेंसी को जिम्मेदारी देने जा रही है। अगस्त माह से यह नई व्यवस्था शुरू हो सकती है। अब बकाया राशि नहीं चुकाने वालों के घर सीधे एजेंसी के कर्मचारी दस्तक देंगे और चालान जमा करने का आग्रह करेंगे। स्मार्ट सिटी के अधिकारी ने बताया कि जुर्माना वसूली को निजी हाथों में सौंपने के लिए टेंडर जारी किए थे। 5 अगस्त तक का समय था, अब अगले हफ्ते तक एजेंसी का चयन किया जाएगा। अगस्त माह के अंत तक नई प्रक्रिया शुरू करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि नए रिकवरी सिस्टम के तहत एजेंसी को हर वाहन मालिक से कम से कम तीन बार संपर्क (कॉल या विजिट) करना अनिवार्य होगा। एजेंसी द्वारा वाहन चालकों को घर बैठे पेमेंट करने के लिए लिंक भेजा जाएगा, फोन कॉल, वाट्सएप और ई-मेल से भी सूचना दी जाएगी। वहीं फील्ड स्टाफ जीपीएस युक्त मोबाइल के साथ काम करेगा। हर कॉल और विजिट का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा। एजेंसी स्टाफ यदि किसी व्यक्ति से अभद्रता करेगा तो पेनल्टी भी लगाई जाएगी। एजेंसी के सामने कड़ी शर्तें रखी है। चालान की राशि सीधे ट्रैफिक पुलिस, परिवहन विभाग या स्मार्ट सिटी के खाते में जमा होगी, लेकिन एजेंसी का कमीशन उसकी परफॉर्मेंस पर तय होगा। एजेंसी के पास प्रति माह 12 लाख की वसूली का लक्ष्य रहेगा। तय लक्ष्य हासिल नहीं होने पर मासिक भुगतान में 2% की कटौती होगी। 6 लाख से कम वसूली होने पर एजेंसी को कोई भुगतान नहीं मिलेगा और उतनी राशि की वसूली उसी से की जाएगी। नियम तोड़े तो लगेगा भारी जुर्माना निजी एजेंसी द्वारा किसी भी व्यक्ति का डेटा लीक करने पर 50 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा और अनुबंध (कॉन्ट्रेक्ट) तुरंत समाप्त कर दिया जाएगा। वहीं गलत रिपोर्टिंग करने पर 25 हजार का जुर्माना और नागरिकों से दुर्व्यवहार करने पर 5 हजार रुपए प्रति घटना का दंड भी लगाया जाएगा।

शहर के इकलौते महामृत्युंजय मंदिर पर भक्तों ने की पूजा-अर्चना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर 10 अगस्त। निपान्या, अमृत पैलेस कॉलोनी स्थित महामृत्युंजय शिव मंदिर पर श्रावण के दूसरे सोमवार को भगवान महामृत्युंजय का मनोहारी श्रृंगार किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने समाजसेवी किशोर-रेखा गोयल, अमृत गोयल, अंकित गोयल, अशोक जोशी, नवरत्न बैराठी, सत्येन्द्र पाठक, शैली गोयल, मनीषा फायके, टीना पाटीदार सहित अनेक भक्तों के साथ पूजा अर्चना की और भगवान के अभिषेक में भागीदारी की। अमृत पैलेस कॉलोनी स्थित शहर के इकलौते महामृत्युंजय मंदिर पर पूरे श्रावण माह में विद्वान आचार्यों के निर्देशन में नियमित रुद्राभिषेक एवं अन्य अनुष्ठान चल रहे हैं।

मंडियों में ई-सिस्टम से पारदर्शिता आई, ई-गवर्नेंस पुरस्कार भी मिला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • प्रदेश की 260 से अधिक कृषि उपज मंडियां अब ई-सिस्टम से चलने लगी है। उज्जैन मंडी में रोज सीजन में 6 से 7 करोड रुपए की सोयाबीन और गेहूं के सीजन में 4 से 5 करोड रुपए का गेहूं किसान बेचने लाते हैं। पहले हाथ से बनी नीलाम पर्ची होती थी, अब ऑनलाइन पर्ची होने से भाव में किसी प्रकार की हेरा फेरी की संभावना नहीं रह पाती है। इसी प्रकार किसान का तोल भी ऑनलाइन होने से इसमें भी फेरबदल नहीं किया जा सकता और भुगतान 2 लाख से कम नगद 200000 से अधिक का आरटीजीएस से 24 घंटे में अकाउंट में पहुंचना जरूरी है। यह सिस्टम भी अब लागू होने से पारदर्शी व्यवस्था में किसानों का भुगतान भी समय पर हो रहा है।

किसानों की सुविधा को बढ़ाने में मंडी बोर्ड ने तकनीकी खामियों को दूर कर ई-अनुज्ञा लागू कर दी। अब व्यापारी को उपज का परिवहन करना हो तो ऑनलाइन अनुज्ञा बनाना पड़ता है लेकिन उन्हें मंडी कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होती है। अपने ऑफिस में बैठकर ही इसे बनाया जा सकता है। ऐसे में आउटपुट के रूप में मंडी शुल्क भी हाथोहाथ ऑनलाइन जमा हो जाता है। ऐसे में मंडी शुल्क वसूली करने की आवश्यकता नहीं है।

मंडी में अब किसानों से डाला भरने के लिए 20 से 40 किलो उपज नहीं देना पड़ती है। डाला भरने के लिए 10 रुपए बोरी मजदूरी तय की गई है। अगर यह नहीं करते हुए डाला भरने के बदले में उपज तुली तो तुरंत कार्रवाई की जाती है। फाजलपुर में गेट खुलने से किसानों को व्यापारियों को आवाजाही में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आ रही है। हाल ही में मंडी में एक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। ऐसे में बाहर की आवाजाही जो वर्षों से इस मंडी को रोड के रूप में इस्तेमाल किया जाता था उस पर रोक लगा दी गई है।

इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा महामहिम राज्यपाल, डी जी पी भोपाल के नाम पुलिस आयुक्त इंदौर को सौंपा गया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलू सैन इंदौर राजीव विकास केंद्र लोकसभा अध्यक्ष प्रतिक मित्तल के नेतृत्व में इंदौर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पर भाजपा सरकार प्रशासन के खिलाफ हल्ला बोल पोल खोल आंदोलन कर महामहिम राज्यपाल महोदय, पुलिस महानिदेशक भोपाल के नाम पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह पुलिस एडीशनल डिप्टी कमिश्नर ओमप्रकाश एसीपी निती दंडोतिया इंदौर को ज्ञापन सौंपकर शहर की बिगड़ती कानून-व्यवस्था, विपक्ष के उत्पीड़न तथा कांग्रेस कार्यालय पर हुए हमलों को लेकर कड़ा विरोध जताया है।

कांटाफोड़ शिव मंदिर पर रजत मंडित गर्भगृह में 11 किस्म के फूलों से बाबा बर्फानी का 51 किलो बर्फ से श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर पर श्रावण मास के उपलक्ष्य में दूसरे सोमवार को रजत मंडित गर्भगृह में 11 किस्म के फूलों से बाबा बर्फानी अमरनाथ का 51 किलो बर्फ से दिव्य और मनोहारी श्रृंगार किया गया। संध्या को हजारों भक्तों ने इस नयनाभिराम श्रृंगार के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आरती में भी भाग लिया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग, संयोजक बी.के. गोयल ने बताया कि समाजसेवी संजय मंगल परिवार की ओर से मंदिर पर यह नयनाभिराम श्रृंगार कराया गया। श्रावण मास में मंदिर प्रबंधन द्वारा प्रतिदिन नियमित अनुष्ठान किए जा रहे हैं। भक्त मंडल के संदीप गोयल ने बताया कि मंदिर की भक्त मंडली के सहयोग से प्रतिदिन सुबह दूध से भगवान भोलेनाथ के अभिषेक एवं बिल्व पत्र, हल्दी, चावल, कुमकुम एवं अबीर सहित सभी पूजन सामग्री की निशुल्क व्यवस्था रखी गई है। आम श्रद्धालु यहां आकर बड़ी संख्या में पुण्य लाभ उठा रहे हैं। यह व्यवस्था पूरे सावन माह तक जारी रहेगी।

कांधे पर कांवड़... हाथों में तिरंगा, गूंजे बोल बम के जयकारे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सावन मास में संस्था आरंभ की सिंदूर तिरंगा कांवड़ यात्रा में हजारों महिलाएं कांधे पर कांवड़ और हाथों में तिरंगा लेकर निकलीं। भक्ति के साथ देशभक्ति का रंग भी नजर आया। रास्तेभर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे। भजनों पर महिलाएं झूमती हुई आगे बढ़ीं तो जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। आयोजन प्रमुख प्रियंका अजय जायसवाल ने बताया कि भागीरथपुरा शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के पूजन-अर्चन के बाद यात्रा शुरू हुई। महिलाओं ने कांवड़ में जल भरा और शिव आराधना के साथ यात्रा में शामिल हुईं। बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में तिरंगा थामे चल रही थीं। धार्मिक आस्था और राष्ट्रप्रेम का यह दृश्य राहगीरों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा। यात्रा में भजन गायक गन्नू महाराज ने भगवान शिव के भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की धुन पर महिलाएं कांवड़ लेकर झूमती हुई आगे बढ़ती रहीं। यात्रा मार्ग पर अलग-अलग स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए थे। यहां श्रद्धालुओं ने कांवड़ यात्रियों पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया। यात्रा में फूलों से सजी पालकी में भगवान महाकाल भी विराजमान थे। भक्तों ने पालकी के दर्शन किए और जयकारे लगाए। भागीरथपुरा से शुरू हुई यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए परदेशीपुरा शिव मंदिर पहुंची। यहां महिलाओं ने द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

'मैं' और 'मेरा' ही अहंकार का प्रमुख कारण - स्वामी परमानंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जीव का स्वभाव शांति और मौज में रहने का है, लेकिन जरूरत से अधिक संग्रह की प्रवृत्ति के चलते हम दूसरों को दुख पहुंचाकर ज्यादा से ज्यादा धन संपत्ति के संग्रह में जुटे हुए हैं और यही हमारी अशांति की प्रमुख जड़ है। देह सब कुछ नहीं है। हम सबके अंदर 'मैं' मौजूद है। यह 'मैं' और 'मेरा' ही अहंकार का प्रमुख कारण है। हम भूल रहे हैं कि दुनिया में किसी को शांति तब तक नहीं मिल सकेगी, जब तक उसके कर्मों में सेवा का भाव नहीं आएगा। स्वास्थ्य श्रेष्ठ तभी रहेगा जब मन के विकार बाहर निकलेंगे। नशा करने वाले जिस तरह अपनी संख्या बढ़ा रहे हैं उसी तरह हमें भी योग करने वालों की संख्या बढ़ाना होगी। राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के न्यासी एवं युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज ने सोमवार शाम को अखंड परम धाम सेवा समिति के तत्वावधान में खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम के परमानंद सभागृह पर सात दिवसीय 30वें ध्यान एवं योग शिविर का शुभारंभ करते हुए उक्त प्रेरक विचार व्यक्त किए।

माँ क्षिप्रा के जल से किया बाबा भूतेश्वर महादेव का अभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर /सांवेर • सावन के पवित्र माह में महादेव की भक्ति में भक्त लीन है इसकी चलते प्रतिवर्षानुसार जय काली सरकार परिवार प्रमुख गुरु माँ कावेरी बाई प्रेरणा से सेवक पवन डाबी की अगुआई में अपने पाँचवे वर्ष में शनि मंदिर त्रिवेणी घाट उज्जैन से माँ क्षिप्रा का जल कलशों एवं कावड़ में भरकर पैदल यात्रा कर साँवेर पहुँचे यात्रा के नगर प्रवेश पर नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़िया द्वारा भव्य स्वागत कर माँ क्षिप्रा का पूजन किया साथ ही पूज्य सिंधी पंचायत की और से विजय गेहि सेन समाज की और से सुभाष भाटिया ,प्रहलाद सिंह राठौर,पप्पू भावसार,संजय जैन,इंद्रेश चावड़ा,मनोज शर्मा,अतुल खटोड़,जीतू कुमावत मित्र मंडल, उज्जैन टोल प्लाजा टिम,भोले ग्रुप,संदवाने परिवार, माँ रेवा डिस्पोजल द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

मालवा मील अग्रवाल पंचायत के सदस्य पीताम्बरा पीठ एवं बैजनाथ महादेव की धार्मिक यात्रा पर प्रस्थित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री मालवा मील अग्रवाल पंचायत की मेजबानी में समाज बंधुओं का एक दल सोमवार को सुबह श्रावण मास के अवसर पर रिमझिम फुहारों के बीच माँ बगलामुखी एवं आगर-मालवा स्थित बैजनाथ मंदिर एवं राणीसती मंदिर के दर्शनार्थ धार्मिक यात्रा पर मालवा मील स्थित पंचायत भवन से विशेष बस एवं निजी वाहनों से प्रस्थित हुआ। अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष संतोष गोयल, समाजसेवी लक्ष्मीनारायण अग्रवाल मामाजी एवं सतीश गोयल ने हरी ध्वजा दिखाकर यात्रा को बिदा किया। पंचायत के अध्यक्ष गोविन्द गर्ग भमोरी एवं मंत्री सुशील अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर यात्रा संयोजक अजय गोयल, राजकुमार गोयल एवं प्रमोद अग्रवाल की टीम द्वारा सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर नरेश मित्तल, सुभाष अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, गोविन्द गोयल, कल्याण अग्रवाल सहित पंचायत के पदाधिकारियों ने सभी तीर्थ यात्रियों का स्वागत किया।

श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में महिलाओं ने 65 हजार पार्थिव शिवलिंग का पूजन कर वेद मंत्रों के बीच किया रुद्राभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कालानी नगर स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर हुजूरगंज में दूसरे सावन सोमवार के अवसर पर महिलाओ ने 65 हजार पार्थिव शिवलिंग का पूजन कर रुद्राभिषेक आचार्य पंडित शैलेन्द्र तिवारी के सानिध्य किया। श्रावण मास शिव आराधना महीनेभर 27 अगस्त तक चलेगा। भक्त मंडल के पं. सुमित अवस्थी ने बताया कि दूसरे सावन सोमवार पर सुबह महिलाओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण शुरू किया, महिलाओं ने मिट्टी से 51 हजार से ज्यादा पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया उसके बाद आचार्य पंडितों की उपस्थिति में आचार्य प्रांजुल मिश्रा के आचार्यत्व में वेद मंत्रों के बीच पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक करके पूजन अर्चन किया गया, महाआरती की गई। महादेव का विशेष श्रृंगार भी किया गया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

ममता बनर्जी के काफिले पर हमला और मूकदर्शक पुलिस: बंगाल में चुनावी नतीजों के बाद क्यों नहीं थम रही राजनीतिक हिंसा?

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद भड़कती राजनीतिक हिंसा और नेताओं के काफिलों पर होते हमलों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता से अराजकता बेलगाम हो रही है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव और उसके नतीजे आने के बाद से ही आए दिन किसी बात पर हिंसा और अराजकता की जैसी स्थिति बनी हुई है, उसमें ऐसा लगता है कि सरकार और पुलिस मूकदर्शक की भूमिका में हैं और जो हो रहा है, उसे होने दिया जा रहा है। अन्यथा क्या कारण है कि किसी भी राजनीतिक पक्ष के कार्यकर्ता या फिर उनका समर्थन करने वाले लोग बिना किसी बड़ी वजह के अचानक ही आक्रामक या अराजक हो जाते हैं और पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने का इंतजाम करने के बजाय उदासीन दिखती है। राज्य में 24 परगना जिले के हलिशहर में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ जो हुआ, वह न केवल कानून व्यवस्था पर एक गहरा सवाल है, बल्कि इससे यह भी पता चलता है कि बदले की भावना जब राजनीति में जगह पाती है, तो किस तरह एक अफसोसनाक हिंसा की संस्कृति का विस्तार होता है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ममता बनर्जी उसके परिजनों से मिलने जा रही थीं। इस बीच उनकी गाड़ी पर हमला किया गया, कीचड़ और पत्थर फेंके गए, आक्रामक और अवांछित नारे लगाए गए। अफसोसनाक यह था कि वहां मौजूद पुलिस ने यह सब रोकने के लिए जरूरी सक्रियता नहीं दिखाई। हैरानी की बात यह है कि वहां की स्थिति एक तरह से बेलगाम हो जाने की आशंका के बावजूद पुलिस ने उपद्रवियों की भीड़ को जमा होने से नहीं रोका। यह बेवजह नहीं है कि इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने ही उनकी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए... गाड़ी पर किया गया हमला इतना गंभीर था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो उनका सिर फट जाता। सवाल है कि राज्य में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी एक महिला नेता को जब इस स्तर की अराजकता का सामना कर पड़ रहा है, तो राज्य में कानून व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर क्या होगी! हालांकि यह पहली बार नहीं है जब राज्य में असंतोष और नाराजगी के नाम पर चुनावों के बाद इस तरह की बेलगाम प्रतिक्रिया देखी गई हो।

पनीर के नाम पर पाम ऑयल का खेल : उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और भरोसे पर चोट

भारतीय जनमानस के खान-पान में दूध और उससे बने उत्पादों का स्थान केवल पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। विशेष रूप से शाकाहारी आबादी के लिए पनीर प्रोटीन और कैल्शियम का सबसे विश्वसनीय और सुलभ स्रोत माना जाता रहा है। त्योहारों का उल्लास हो, घर में मेहमानों का आगमन या फिर किसी रेस्टोरेंट का मेन्यू, पनीर की मौजूदगी अनिवार्य सी होती है। लेकिन पिछले कुछ समय से हमारी थाली में परोसे जा रहे इस पारंपरिक उत्पाद के पीछे 'एनालॉग पनीर' यानी कृत्रिम पनीर का एक ऐसा घालमेल पैठ बना चुका है, जिसने न केवल उपभोक्ताओं के विश्वास को तोड़ा है, बल्कि जनस्वास्थ्य के सामने भी एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस कृत्रिम विकल्प के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगाने के बाद, अब गुजरात सरकार ने भी इस विषय पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। गुजरात, जो देश में श्वेत क्रांति का अगुआ और डेयरी उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र रहा है, वहाँ इस प्रकार के नकली पनीर का बड़े पैमाने पर पकड़ा जाना और उस पर प्रतिबंध का फैसला होना यह साबित करता है कि समस्या कितनी गहरी और व्यापक हो चुकी है। यह कदम केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि यह देश के खाद्य सुरक्षा तंत्र, उपभोक्ता अधिकारों और पारंपरिक डेयरी उद्योग को बचाने के लिए एक आवश्यक शल्य-क्रिया (सर्जरी) की तरह है।

आम उपभोक्ता के लिए 'एनालॉग' शब्द तकनीकी लग सकता है, लेकिन इसका सीधा और सरल अर्थ है—एक ऐसा छलावा जो दिखता असली पनीर जैसा है, लेकिन जिसका दूध से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं होता। असली पनीर का निर्माण पूरी तरह से शुद्ध दूध को फाड़कर किया जाता है, जिसमें दूध का गाढ़ा प्रोटीन और वसा शामिल होते हैं। इसके विपरीत, एनालॉग पनीर एक पूर्णत: औद्योगिक और रासायनिक प्रक्रिया का परिणाम है। इसमें दूध के बहुमूल्य फैट को निकालकर उसके स्थान पर सस्ते और रिफाइंड पाम ऑयल या अन्य वनस्पति तेलों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इसकी बनावट और बनावटी कड़ेपन को असली पनीर जैसा दिखाने के लिए भारी मात्रा में स्टार्च, रासायनिक इमल्सीफायर्स, और कृत्रिम रंगों व सुगंधों का मिश्रण किया जाता है। व्यवसाय जगत और मुनाफाखोरों के लिए यह उत्पाद किसी वरदान से कम नहीं था। जहाँ असली पनीर को बनाने में भारी मात्रा में शुद्ध दूध की आवश्यकता होती है और उसकी उत्पादन लागत स्वाभाविक रूप से अधिक होती है, वहीं एनालॉग पनीर चंद रसायनों और सस्ते आयातित पाम ऑयल की मदद से बेहद कम लागत में तैयार हो जाता है। बाजार के गणित को समझें, तो असली पनीर की तुलना में यह

कृत्रिम पनीर लगभग आधी या उससे भी कम कीमत पर बनकर तैयार हो जाता है। इसी भारी मुनाफे के लालच ने इसे देश भर के होटलों, ढाबों, स्ट्रीट फूड वेंडरों और पिज्जा-बर्गर चेन तक पहुँचा दिया। उपभोक्ता अनजाने में जिसे एक पौष्टिक आहार समझकर खा रहा था, वह वास्तव में रसायनों और सस्ते तेल का एक खतरनाक कोलाज था। एनालॉग पनीर का सबसे चिंताजनक पहलू इसका मानवीय स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दीर्घकालिक और विनाशकारी प्रभाव है। चिकित्सा विज्ञान और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, पाम ऑयल और रिफाइंड वनस्पति तेलों को जब उच्च तापमान पर बार-बार संसाधित किया जाता है, तो वे ट्रांस-फैट और सैचुरेटेड फैट में बदल जाते हैं। यह वसा हमारे शरीर के लिए एक धीमे जहर की तरह काम करती है। इसका नियमित सेवन रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तेजी से बढ़ाता है, जिससे धमनियों में रुकावट पैदा होती है और कम उम्र में ही हृदय रोग व पल्स स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इसके अतिरिक्त, इस कृत्रिम पनीर को लंबे समय तक खराब होने से बचाने और उसकी बनावट को बनाए रखने के लिए जिन रासायनिक प्रिजर्वेटिव्स और इमल्सीफायर्स का उपयोग किया जाता है, वे हमारे पाचन तंत्र, लीवर और किडनी पर सीधा प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोटापे की समस्या, फैटी लीवर और चयापचय (मेटाबॉलिज्म) से जुड़ी बीमारियों के पीछे इस तरह के छिपे हुए कृत्रिम खाद्य पदार्थों की एक बड़ी भूमिका है। असली पनीर जहाँ शरीर को आवश्यक अमीनो एसिड, कैल्शियम और विटामिन प्रदान करता है, वहीं यह एनालॉग पनीर शरीर को केवल खाली कैलोरी और हानिकारक वसा देता है। यह स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब कुपोषण से लड़ रहे बच्चों या प्रोटीन की कमी से जूझ रहे मरीजों को अनजाने में यह नकली उत्पाद परोस दिया जाता है, जिससे उनके शरीर को आवश्यक पोषण मिलने के बजाय नई बीमारियाँ उपहार में मिल जाती हैं।

खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुसार, किसी भी उत्पाद को बेचते समय उसके पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए कि वह क्या है। यदि कोई उत्पाद 'एनालॉग' या नॉन-डेयरी है, तो उसे 'पनीर' के नाम से नहीं बेचा जा सकता। उसे 'वेजिटेबल फैट ब्लेंड' या ऐसा ही कोई तकनीकी नाम देना अनिवार्य है। लेकिन भारतीय खाद्य बाजार की जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल जुदा रही है। मुनाफाखोरी के इस पूरे खेल में पारदर्शिता को पूरी तरह से ताक पर रख दिया गया। थोक बाजारों से लेकर खुदरा दुकानों और रेस्टोरेंट के किचन तक, इस उत्पाद को सरेआम 'सस्ता पनीर' या 'स्पेशल पनीर' बताकर खपाया गया।

यह सीधे तौर पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए 'जानने के अधिकार' और 'भ्रामक विज्ञापनों व प्रथाओं के खिलाफ अधिकार' का घोर उल्लंघन है। जब एक ग्राहक किसी रेस्टोरेंट में पनीर की सब्जी या पिज्जा के लिए भारी-भरकम भुगतान करता है, तो वह यह उम्मीद करता है कि उसे शुद्ध और पौष्टिक डेयरी उत्पाद दिया जा रहा है। उसे यह कभी नहीं बताया जाता कि उसकी थाली में जो तैर रहा है, वह दूध से नहीं बल्कि पाम ऑयल और स्टार्च से बनी एक कतरन है। यह आर्थिक धोखाधड़ी तो है ही, साथ ही यह जन-विश्वास के साथ किया गया एक अक्षम्य अपराध भी है। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में इस प्रतिबंध का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक आयाम है—हमारी डेयरी अर्थव्यवस्था की सुरक्षा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पशुपालन और डेयरी उद्योग पर टिकी हुई है। करोड़ों छोटे और सीमांत किसान दूध बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। जब बाजार में दूध से बनने वाले असली उत्पादों के स्थान पर रसायनों और आयातित पाम ऑयल से बने सस्ते विकल्प अवैध रूप से हावी होने लगते हैं, तो इसका सीधा असर दूध की मांग और उसकी कीमतों पर पड़ता है।

यदि सिंथेटिक और एनालॉग पनीर इसी तरह बाजार पर कब्जा जमाए रखते, तो डेयरी सहकारी समितियों और निजी डेयरियों के लिए किसानों से सही कीमत पर दूध खरीदना नामुमकिन हो जाता। यह स्थिति अंतत: हमारे ग्रामीण अर्थतंत्र को पंगु बना देती। गुजरात जैसे राज्य में, जहाँ अमूल जैसी सहकारिता की विशाल संरचना ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, वहाँ एनालॉग पनीर का प्रसार इस पूरी श्वेत क्रांति के मूल सिद्धांतों पर एक सीधा प्रहार था। इसलिए, गुजरात सरकार का यह प्रतिबंध केवल स्वास्थ्य की रक्षा नहीं है, बल्कि यह देश के अन्नदाताओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक बड़े संकट से बचाने का एक सुरक्षा कवच भी है।

निश्चित रूप से, महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों द्वारा उठाए गए ये कदम अत्यधिक सराहनीय और स्वागत योग्य हैं। लेकिन इतिहास गवाह है कि केवल कागजी कानूनों या तात्कालिक प्रतिबंधों से मिलावटखोरी और कालाबाजारी के संगठित नेटवर्क को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जा सकता। जैसे ही प्रशासनिक मुस्तैदी थोड़ी कम होती है, ये तत्व नए रास्तों और नए नामों से बाजार में दोबारा सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए, इस प्रतिबंध को पूरी तरह से प्रभावी बनाने के लिए एक बहुआयामी और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है।

सबसे पहले, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के प्रवर्तन तंत्र को और अधिक मजबूत, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ानी होगी और औचक निरीक्षण (सरप्राइज रेड्स) की प्रक्रिया को नियमित करना होगा, विशेषकर त्योहारों के सीजन में और थोक मंडियों में। इसके साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारी जुर्माने और गैर-जमानती जेल जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान जमीनी स्तर पर कड़ाई से लागू होना चाहिए, ताकि कानून का खौफ मिलावटखोरों के मन में बैठ सके।

दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है—उपभोक्ता जागरूकता। जब तक देश का आम नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग नहीं होगा, तब तक कोई भी कानून पूर्णत: सफल नहीं हो सकता। उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाना चाहिए कि वे पैकेज्ड पनीर खरीदते समय लेबल को ध्यान से पढ़ें और 'वेजिटेबल फैट' या 'एनालॉग' जैसे शब्दों के प्रति सतर्क रहें। स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया के माध्यम से असली और नकली पनीर की पहचान करने के सरल घरेलू तरीकों (जैसे आयोडीन टेस्ट या हाथ से मसलकर देखना) का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।अंतत:, यह लड़ाई केवल एक खाद्य उत्पाद के प्रतिबंध की नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के स्वास्थ्य, हमारे बच्चों के भविष्य और हमारी आर्थिक ईमानदारी की रक्षा की लड़ाई है। महाराष्ट्र और गुजरात ने राह दिखाई है, अब देश के अन्य राज्यों को भी बिना किसी देरी के इस दिशा में कड़े कदम उठाने चाहिए। एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है जब हमारी थाली में परोसा जाने वाला हर निवाला शुद्ध, सुरक्षित और धोखे से मुक्त हो।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

धार में मातृशक्ति ने निकाली विशाल कावड़ यात्रा

लालबाग से धारेश्वर महादेव तक गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष, त्रिवेणी संगम के जल से हुआ अभिषेक

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

सावन के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था और मातृशक्ति की एकजुटता का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला, जब धार शहर में मातृशक्ति संगठन के तत्वावधान में विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ यात्रा के संयोजक अनिल जैन बाबा एवं माता शक्ति संगठन की अध्यक्ष पप्पी मकवाना के नेतृत्व में यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था प्रकट की।

कावड़ यात्रा का शुभारंभ स्थानीय लालबाग से हुआ। पारंपरिक धार्मिक वातावरण के बीच मातृशक्ति कावड़ लेकर भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ीं। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण दिखाई दिया। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई धारेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ कावड़ यात्रा का समापन हुआ। यहां मातृशक्ति द्वारा प्रयागराज त्रिवेणी संगम के पवित्र जल से भगवान धारेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव

की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कावड़ यात्रा के समापन पर मातृशक्ति को प्रसादी के रूप में खिचड़ी वितरित की गई।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

कावड़ यात्रा के मीडिया समन्वयक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मातृशक्ति की इस विशाल कावड़ यात्रा का शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यात्रा मार्ग पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर कावड़ यात्रियों का अभिनंदन किया तथा धार्मिक उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए जल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।

कावड़ यात्रा में महिलाओं की बड़ी संख्या में सहभागिता ने इसे विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बना दिया। मातृशक्ति ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और भारतीय सनातन परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश भी दिया। कावड़ यात्रा संयोजक अनिल जैन बाबा एवं मातृशक्ति संगठन की अध्यक्ष पप्पी मकवाना ने यात्रा में शामिल सभी मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं का यात्रा के सफल आयोजन के आभार व्यक्त किया ।

एनएसयूआई ने शिक्षा मंत्री के नाम दिया ज्ञापन, छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से हो

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में आगामी छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से कराने की मांग तेज हो गई है। इसी मांग को लेकर एनएसयूआई खंडवा की ओर से शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया है। संगठन ने आगामी छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से कराने की मांग की है।

शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

एनएसयूआई ने छात्रसंघ चुनाव को लेकर शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें आगामी छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से कराने की मांग रखी गई है। संगठन ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें विद्यार्थियों को अपने पसंदीदा प्रतिनिधि को सीधे चुनने का अवसर मिले। साथ ही पूरी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सीधे भाग लेने का मौका मिल सके।

विद्यार्थियों को सीधे प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिले

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष चंदनसिंह पंवार ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों की लोकतांत्रिक भागीदारी और उनके अधिकारों को मजबूत करने के

लिए छात्रसंघ चुनाव महत्वपूर्ण हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने प्रतिनिधि का सीधे चुनाव करने का अधिकार मिलना चाहिए। उनका कहना है कि जब विद्यार्थी अपने प्रतिनिधि को खुद चुनेंगे तो चुनाव प्रक्रिया में उनकी भागीदारी भी बढ़ेगी और उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने का मौका मिलेगा। एनएसयूआई का कहना है कि प्रत्यक्ष चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं हैं। इससे विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की भावना को बढ़ावा मिलता है। चुनाव के दौरान विद्यार्थी उम्मीदवारों के विचार और उनके काम को समझकर अपने पसंदीदा प्रतिनिधि के पक्ष में मतदान कर सकते हैं। संगठन का मानना है कि यह प्रक्रिया विद्यार्थियों को भविष्य में जिम्मेदार नेतृत्व के लिए तैयार करने में भी मदद करती है।

धार किला परिसर में माय भारत ने चलाया स्वच्छता अभियान, युवाओं ने किया श्रमदान

दैनिक इंदौर संकेत

धार • युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार, मेरा युवा भारत द्वारा 1 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत धार के ऐतिहासिक किला परिसर में एक दिवसीय स्वच्छता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान के दौरान किला परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान (श्रमदान) चलाया गया। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं और वालंटियर्स को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा आमजन को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने व कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। इस आयोजन में अमित भगोरे, सुमित गावड, विशाल सहित 'माय भारत', राष्ट्रीय सेवा योजना (एनसीसी) और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के बड़ी संख्या में वालंटियर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यवाही में 4 लाख 59 हजार 477 रुपये मूल्य का घी जप्त, नमूने जांच हेतु भेजे

दैनिक इंदौर संकेत

धार • कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देशानुसार एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के आदेशानुसार जिले में मिलावटी दूध, घी एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जा रहे हैं तथा संदिग्ध खाद्य सामग्री को जप्त किया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती निर्मला सोमकुंवर, आर.जी. माऊटा एवं सुभाष खेडकर द्वारा धार स्थित गिरिराज ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर पुरुषोत्तम दास गुप्ता से विक्रय हेतु उपलब्ध धौलपुर फ्रेश देसी घी की अलग-अलग पैकिंग के 05 नमूने लिए गए। कार्यवाही के दौरान 407 लीटर घी, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 61 हजार रुपये है, जप्त किया गया।इसी प्रकार मनावर स्थित धौलपुर देसी

घी के थोक विक्रेता गोल्टी टी एजेंसी का निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर विनोद पाटीदार से धौलपुर फ्रेश देसी घी की अलग-अलग पैकिंग के 07 नमूने लिए गए तथा 102 लीटर घी, जिसकी अनुमानित कीमत 82 हजार 842 रुपये है, जप्त किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा राजगढ़ तहसील, सरदारपुर स्थित नवकारश्री ट्रेडर्स का भी निरीक्षण किया गया। यहां विक्रय हेतु उपलब्ध श्रीकंचन घी, निर्माता सिद्ध फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, सोनकच्छ, जिला देवास के 02 नमूने लिए गए तथा शेष 156 किलो घी, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 15 हजार 635 रुपये है, जप्त किया गया। इसके अतिरिक्त चन्द्रकमल देसी घी का 200 ग्राम नमूना लिया गया तथा 15 लीटर घी, जिसकी अनुमानित कीमत 8 हजार 500 रुपये है, जप्त किया गया।इस प्रकार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा की गई कार्यवाही में कुल 521 लीटर धौलपुर फ्रेश देसी घी एवं 156 किलो श्रीकंचन घी सहित कुल 4 लाख 59 हजार 477 रुपये मूल्य का घी जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान लिए गए खाद्य नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आगामी कार्यवाही की जाएगी।

महापौर ने नगरीय प्रशासन आयुक्त को सौंपे 77 करोड़ रुपए से अधिक के विकास प्रस्ताव

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत पहुंचे नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे को महापौर अमृता यादव ने शहर के विकास से जुड़े प्रस्ताव सौंपे। प्रस्तावों में पेयजल, सड़क, पीएम आवास तथा पीपीपी मॉडल पर आधारित प्रोजेक्ट्स के लिए 77 करोड़ से अधिक की स्वीकृति की मांग शामिल है। भविष्य की पेयजल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत 47.22 करोड़ की मांग रखी गई है। इसमें चारशेड और सर्किट हाउस जल शोधन संयंत्रों का उन्नयन, आधुनिक क्लोरीनेशन सिस्टम, नए ओवरहेड टैंक, फीडर मेन लाइन तथा वितरण नेटवर्क के विस्तार के काम शामिल बताए गए हैं।

आईसीसी के फैसले से भड़के स्कॉटलैंड नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड अपमान का लगाया आरोप

दुबई (एजेंसी) • 2027 वनडे वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट को लेकर आईसीसी और एसोसिएट देशों के बीच विवाद शुरू हो गया है। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट के नए फॉर्मेट पर आपत्ति जताई है। दोनों बोर्ड ने आईसीसी पर फैसले लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कम समय में किए गए बदलावों से इंटरनेशनल क्रिकेट की विश्वसनीयता और निष्पक्षता कमजोर हो सकती है। वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट मंजूर किया है। पहले स्टेज में रैंकिंग की 12वीं, 13वीं और 14वीं टीमों के बीच सुपर सीरीज होगी। इनमें से सिर्फ एक टीम अगले चरण में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें अगले स्टेज में जाएंगी। चौथे स्थान पर रहने वाली दोनों टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम भी अगले राउंड में पहुंचेगी। इस तरह कुल सात टीमें सुपर-7 राउंड खेलेंगी। सुपर-7 में सभी सात टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली दो टीमें फाइनल खेलेंगी। नए फॉर्मेट का असर स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स जैसी एसोसिएट टीमों पर सबसे ज्यादा पड़ सकता है। दोनों बोर्ड के मुताबिक, ऐसी टीमों को मुख्य वर्ल्ड कप तक पहुंचने के लिए कई स्टेज से गुजरना होगा। एसोसिएट टीमों को पहले वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर खेलना होगा। इसके बाद जरूरत पड़ने पर तीन टीमों की सुपर सीरीज। फिर 12 टीमों वाले मुख्य ग्रुप स्टेज में जगह बनाने की चुनौती। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स ने कहा कि टूर्नामेंट का ढांचा कम समय में बदलने से उन्हें मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। लंबे समय की प्लानिंग प्रभावित होगी। इसके अलावा सीमित संसाधनों के साथ काम कर रहे क्रिकेट बोर्डों पर अतिरिक्त ऑपरेशनल और वित्तीय दबाव पड़ेगा।

दर्शकों के लिए दलीप ट्रॉफी फाइनल की जगह बदल सकता है -देवजीत सैकिया

मुंबई (एजेंसी) •बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड इस सत्र की दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बजाय किसी स्टेडियम में करवाने की संभावना पर विचार करेगा। उन्होंने बताया कि घरेलू क्रिकेट के अधिक मुकाबलों का सीधा प्रसारण किया जाएगा, ताकि प्रशंसकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों को खेलते हुए देखने का मौका मिल सके। भारत का 2026-27 घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा, जिसका आयोजन 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में किया जाना है। इस परिसर में दर्शकों के प्रवेश पर रोक है। ऐसे में सैकिया ने कम से कम फाइनल के आयोजन स्थल पर पुनर्विचार का संकेत दिया। सैकिया ने कहा, जब इस जमीन का अधिग्रहण किया था, तब इसमें कुछ शर्तें शामिल थीं। इनके तहत इस परिसर में दर्शकों को प्रवेश देने की अनुमति नहीं है। यह सरकार का

नियम है और हम इसका उल्लंघन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि टीम के सदस्यों के बेहद करीबी लोगों को हालांकि प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। सैकिया ने कहा, लेकिन इस साल हमने लाइव प्रसारित किए जाने वाले मैचों की संख्या बढ़ाई है। इस तरह हम प्रशंसकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों को मैदान पर खेलते हुए देखने का अधिक अवसर दे रहे हैं।

हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित

दुबई (एजेंसी) • आईसीसी ने जुलाई महीने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मंथ' की रेस में शामिल क्रिकेटरों का ऐलान किया है। मेन्स कैटेगरी में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और बांग्लादेश के ओपनर तंजीद हसन को शॉर्टलिस्ट किया गया है। वूमंस कैटेगरी में इंग्लैंड की कप्तान नताली सिवर ब्रंट, श्रीलंका की स्टार बल्लेबाज हर्षिता समरविक्रमा और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज शॉर्टलिस्ट हुए हैं। इंग्लैंड के कप्तान ने टी-20 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने भारत के खिलाफ 5 मैचों में 114.50 के औसत और 214.01 के स्ट्राइक रेट से 229 रन बनाए। वे सीरीज के टॉप रन-स्कोरर रहे और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुने गए।

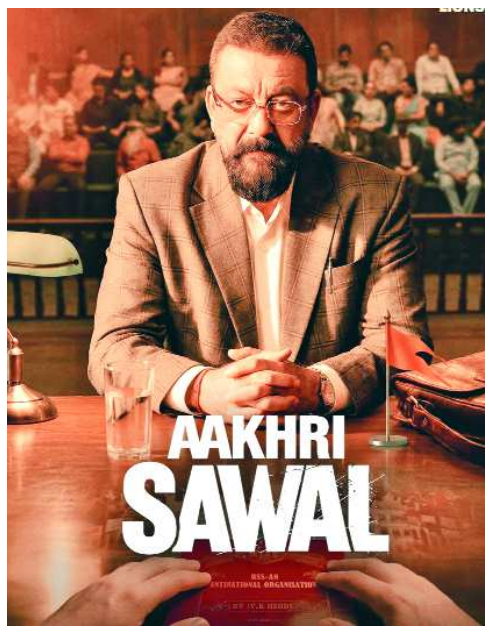

जब छिपा हुआ सच सामने आ जाए, तो क्या होगा?

मुंबई (एजेंसी) • एक सवाल कई बार ऐसी सच्चाई सामने ला सकता है, जो सालों से छिपी हो। यह किसी के विश्वास और सोच को भी बदल सकती है। 13 अगस्त को लायंसगेट प्ले पर आखिरी सवाल का ख़ास डिजिटल प्रीमियर होगा। फिल्म में संजय दत्त, समीरा रेड्डी, अमित साध, त्रिधा चौधरी और नमाशी चक्रवर्ती नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। इसे निखिल नंदा और संजय दत्त ने निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के तहत बनाया है। उज्ज्वल आनंद इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि एक ऐतिहासिक विरासत से जुड़े मुद्दे पर अलग-अलग विचार और सोच कैसे आमने-सामने आती हैं। जैसे-जैसे छिपी हुई सच्चाइयां सामने आती हैं, कहानी और भी दिलचस्प हो जाती है। आखिरी सवाल एक ऐसी गंभीर कहानी है, जो दर्शकों को सोचने और खुद से सवाल करने पर मजबूर करती है। आखिरी सवाल की कहानी प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी के इर्द-गिर्द घूमती है। यह किरदार संजय दत्त ने निभाया है। अपने छात्र विक्की (नमाशी चक्रवर्ती) से उनके विचार नहीं मिलते। यह मतभेद धीरे-धीरे एक बड़े नैतिक और पीढ़ियों के बीच के विवाद में बदल जाता है। संजय दत्त ने प्रोफेसर के किरदार को बहुत अच्छे और भावनात्मक तरीके से निभाया है। उनका अभिनय फिल्म में विचारों, सच्चाई और विश्वास के मुद्दों को मजबूती से सामने लाता है। फ़िल्म के बारे में बात करते हुए संजय दत्त ने बताया कि, 'प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी सोच और विश्वास ने उनकी पूरी जिंदगी को आकार दिया है। लेकिन उनके अंदर संवेदनशीलता और दूसरों के लिए समझ भी है। वह जरूरत पड़ने पर खुद से भी सवाल करते हैं। यही बात इस किरदार को मेरे लिए खास बनाती है। मुझे खुशी है कि जल्द ही दर्शक इस फिल्म को

लायंसगेट प्ले पर देख सकेंगे।' आखिरी सवाल हमें याद दिलाता है कि हम कौन से सवाल पूछते हैं और किन सवालों के जवाब देते हैं, इसका हमारी सोच और जिंदगी पर गहरा असर पड़ता है। आखिरी सवाल को 13 अगस्त से सिर्फ लायंसगेट प्ले पर देखें।

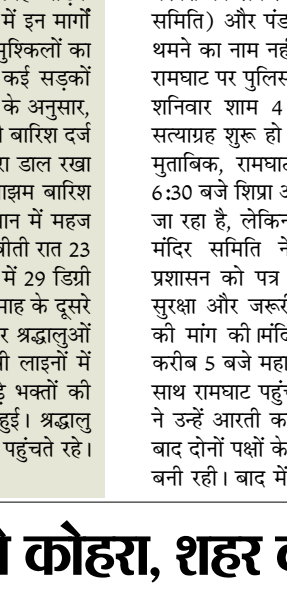

सुष्मिता ने बयां किया सी-ग्रेड फिल्मों में काम करने का कड़वा सच

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी ने एक कड़वा सच बयां किया है कि उन्हें अपने करियर के एक दौर में मजबूरीवश कई सी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा था। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनके प्रोडक्शन हाउस के डूबने की वजह से उन पर 1 करोड़ रुपये का भारी-भरकम कर्ज चढ़ गया था, जिसे चुकाने के लिए उनके पास और कोई रास्ता नहीं बचा था। यह खुलासा उन्होंने एक भावुक वीडियो के माध्यम से किया, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी के इस मुश्किल दौर का दर्द साझा किया। सुष्मिता मुखर्जी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, मुझसे किसी ने पूछा कि मैम, आपने इतनी खराब फिल्मों में काम क्यों किया? यह सवाल सुनते ही मुझे धक्का लगा।

अपनी जिंदगी के उस दौर में वापस लौटकर यह सोचना बेहद तकलीफदेह है कि आखिर मैंने ऐसी सी-ग्रेड और महिलाओं को नीचा दिखाने वाली फिल्मों में काम ही क्यों किया? हां, मैंने बुरी फिल्मों का चुनाव किया, लेकिन भगवान का शुक्र है कि वे अश्लील फिल्में नहीं थीं। फिर भी वे बेहद खराब फिल्में थीं। सुष्मिता ने आगे अपना दर्द बयां करते हुए कहा, लोग पूछते हैं कि क्या मैंने अपनी आत्मा का सौदा किया? तो हां, मैंने अपनी आत्मा बेची। क्या मुझे ऐसा करके अच्छा लगा? मुझे तब भी अच्छा नहीं लगा था और आज भी उस बात का मलाल है। लेकिन उस वक्त मजबूरी ऐसी थी कि मेरे पास इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता ही नहीं बचा था।

उज्जैन संभाग

बारिश से सड़कों पर जलभराव-जाम, जिले में 535 मिमी बारिश दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रविवार शुरू हुई बारिश सोमवार सुबह तक जारी रही। रुक-रुककर बारिश का दौर सुबह तक चलता रहा। बारिश के कारण शहर में कई लोग परेशान होते रहे। दरअसल, कई जगह सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। ऐसे में इन मार्गों से निकलने में लोगों को सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते कई सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई। वेधशाला के अनुसार, उज्जैन में सोमवार सुबह तक 535 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। शहर में बादलों ने डेरा डाल रखा है, लेकिन लोगों को अब भी तेज झमाझम बारिश का इंतजार है। दिन और रात के तापमान में महज साढ़े पांच डिग्री का अंतर रह गया है। बीती रात 23 डिग्री तापमान था, वहीं रविवार दोपहर में 29 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इधर, सावन माह के दूसरे सोमवार पर रातभर हुई बारिश का असर श्रद्धालुओं पर दिखाई नहीं दिया। देर रात से लंबी लाइनों में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए खड़े भक्तों की आस्था बारिश के बाद भी कम नहीं हुई। श्रद्धालु बारिश में भीगते हुए भी दर्शन के लिए पहुंचते रहे।

पुलिस बल प्रयोग के विरोध में जल सत्याग्रह शुरू, आरती के अधिकार को लेकर प्रशासन और पंडा समिति आमने-सामने

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शिप्रा आरती की 11 साल पुरानी परंपरा को लेकर प्रशासन (महाकाल मंदिर समिति) और पंडा समिति के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। पंडा समिति ने रामघाट पर पुलिस बल प्रयोग के विरोध में शनिवार शाम 4 बजे से शिप्रा में जल सत्याग्रह शुरू हो गया है। पंडा समिति के मुताबिक, रामघाट पर 11 साल से शाम 6:30 बजे शिप्रा आरती का आयोजन किया जा रहा है, लेकिन 5 अगस्त को महाकाल मंदिर समिति ने महाकाल थाना और प्रशासन को पत्र भेजकर आरती के लिए सुरक्षा और जरूरी सामान उपलब्ध कराने की मांग की।मंदिर समिति के लोग शाम करीब 5 बजे महाकाल मंदिर के बटुकों के साथ रामघाट पहुंचे। पंडा समिति के लोगों ने उन्हें आरती करने से रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच गतिरोध की स्थिति बनी रही। बाद में मंदिर समिति के बटुकों ने रामघाट पर दूसरी जगह आरती की। 7 अगस्त को फिर पंडा समिति ने महाकाल मंदिर समिति के बटुकों को रामघाट पर आरती करने से रोक दिया। मौके पर पुलिस बल और दो एसडीएम पहुंचे। अधिकारियों ने पंडा समिति के लोगों को समझाने की कोशिश की। जब गतिरोध खत्म नहीं हुआ तो पुलिस ने पंडा समिति के पुजारियों को हलका बल प्रयोग करते हुए वहां से हटाया और महाकाल मंदिर समिति के बटुकों से रामघाट पर दूसरी जगह आरती कराई।

माता टेकरी पर 28 नए सीसीटीवी कैमरे लगे, अब 87 कैमरों से निगरानी, कोतवाली थाने और कंट्रोल रूम से सीधी मॉनिटरिंग

दैनिक इंदौर संकेत

देवास •माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ को संभालने के लिए 28 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनके लगने के बाद अब पूरी टेकरी 87 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेगी। यह व्यवस्था आगामी नवरात्रि के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को संभालने के लिए की गई है। नए कैमरे टेकरी के प्रमुख प्रवेश द्वारों और उन जगहों पर लगाए गए हैं, जहां नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा रहती है। कैमरों का एक्सेस कोतवाली थाने और पुलिस कंट्रोल रूम में भी रहेगा। इससे टेकरी पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और भीड़ की स्थिति पर सीधे नजर रखी जा सकेगी। पुलिस टीम कैमरों के जरिए टेकरी पर लगातार नजर रखेगी। किसी जगह भीड़ बढ़ने पर वहां तैनात पुलिसकर्मियों से तुरंत संपर्क किया जा सकेगा। इसके जरिए भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद शर्मा ने बताया कि टेकरी पर 28 नए कैमरे लगाए गए हैं। इनका एक्सेस थाने और पुलिस कंट्रोल रूम दोनों जगह रहेगा। वीडियो मॉनिटरिंग के जरिए व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी। नायब तहसीलदार और टेकरी प्रभारी कपिल गुर्जर ने बताया कि नए कैमरों के बाद टेकरी पर कुल 87 ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे हो गए हैं। इससे सुरक्षा और व्यवस्था की निगरानी पहले से बेहतर होगी। नए कैमरे टेकरी के प्रमुख द्वारों, भीड़ वाले स्थानों और जरूरी प्वाइंट पर लगाए गए हैं। दोनों माता मंदिरों के साथ अन्य प्रमुख स्थानों पर भी कैमरों से निगरानी की जाएगी। नवरात्रि के दौरान भीड़ बढ़ने पर पुलिस अधिकारी थाने और कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रख सकेंगे। जरूरत के अनुसार संबंधित टीमों को तुरंत निर्देश दिए जा सकेंगे। पुलिस और प्रशासन का लक्ष्य श्रद्धालुओं को व्यवस्थित और सुविधापूर्ण दर्शन कराना है।

मांडू में बारिश से कोहरा, शहर कोहरे में डूबा

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू • सोमवार को मौसम ने करवट ली, जहां हल्की बारिश और घने कोहरे ने पर्यटकों का दिल जीत लिया। ऐतिहासिक पर्यटन नगरी की सुंदरता अपने चरम पर पहुंच गई और इस मनमोहक नजारे का दीदार करने के लिए 5 हजार से अधिक सैलानी पहुंचे। दोपहर होते ही अचानक मौसम बदला और देखते ही देखते घना कोहरा छाने के साथ बारिश शुरू हो गई। पूरा नगर घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। सदियों पुरानी इमारतें ऐसी प्रतीत हो रही थीं मानो वर्षों पुराना इतिहास फिर से जीवंत हो उठा हो। लगातार हुई तेज बारिश से जगह-जगह झरने बहने लगे और बादल ज़मीन पर उतर आए।

पर्यटकों ने जहाज महल में कोहरे के इस अद्भुत रंग का अनुभव किया। शाम के समय धुंध में छिपा जहाज महल देखकर पर्यटक खुद को रोक नहीं पाए और कहने लगे कि मांडू किसी कश्मीर से कम नहीं है। घने कोहरे के कारण मांडू के घाट क्षेत्र में विजिबिलिटी इतनी कम हो गई कि आमने-सामने देखना भी मुश्किल हो रहा था। इस वजह से पर्यटकों को अपने वाहनों की हेडलाइट जलाकर ऐतिहासिक महलों तक पहुंचना पड़ा। इतना ही नहीं, धुंध और अंधेरे के चलते स्थानीय लोगों को भी दिन में ही अपने घरों और दुकानों की लाइटें चालू करनी पड़ीं।

बारिश और कोहरे के बीच मांडू की वादियां किसी स्वर्ग जैसी खूबसूरत नजर आ रही थीं। यहां के ऐतिहासिक महल, हरी-भरी घाटियां और बादलों से ढकी पहाड़ियां एक बेहद शांत और सुंदर नजारा पेश कर रही थीं, जिसने यहां आए हर सैलानी को आनंदित कर दिया।

शिवालयों पर महादेव के आकर्षक श्रंगार

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी • सावन महीने के दूसरे सोमवार को बाग स्थित पुरातन शिवालयों में महादेव के आकर्षक श्रृंगार किए गए। इन मनोहारी श्रृंगारों के दर्शन और सायंकालीन आरती के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवालयों में पहुंच रहे हैं। भगवान के दर्शन का यह सिलसिला देर रात 10 बजे तक जारी रहेगा।

बाग के पुरातन जबरेश्वर महादेव शिवालय में महादेव का प्राकृतिक स्वरूप जटाजुट से सज्जित शमशान वासी भूत प्रेतों के साथ आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी रितेश गोस्वामी ने बताया कि सावन मास के सभी सोमवार को भोलेनाथ के मनमोहक श्रृंगार किए जाते हैं, और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इसी तरह, बाग के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का श्रीकृष्ण भगवान के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल के रूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। कलाकार राजा बोडाना और उनके साथियों ने महादेव को बाल गोपाल के रूप में श्रृंगारित किया।

बाग में ही पांडवकालीन महाकालेश्वर मंदिर और नीलकंठ महादेव शिवालय पर भी भोलेनाथ के भव्य श्रृंगार किए गए। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र के अति पुरातन और 8 किलोमीटर दूर स्थित बड़केश्वर महादेव के भी मनमोहक श्रृंगार के दर्शन और आरती में बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालु पहुंचे।

जेतपुरा में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का जेसीबी, 3 फीट तक रास्ते पर रखे थे पत्थर

दैनिक इंदौर संकेत

धार• जिले के जेतपुरा गांव में रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने सोमवार शाम हटाया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद तहसीलदार के निर्देश पर जेसीबी की मदद से कार्रवाई की गई। इस दौरान नौगांव थाना पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। ग्रामीणों ने हाल ही में तहसीलदार को आवेदन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। आवेदन में बताया गया था कि ग्राम जेतपुरा की सर्वे क्रमांक 316 की भूमि पर रास्ते की ओर करीब तीन फीट तक अतिक्रमण किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, रास्ते पर अतिक्रमण कर खरंजा बना दिया गया था। मकान के आसपास पत्थर भी रख दिए गए थे। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने संबंधित व्यक्ति से अतिक्रमण हटाने के लिए कहा था। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

नंदानगर सिविल अस्पताल में मरीज एक घंटे करता रहा इंतजार

अस्पताल में मरीज तो समय पर पहुंच रहे, लेकिन ओपीडी में डॉक्टर नदारद

सीएमएचओ ने निर्देश दिए, अब रोजाना वीडियो कॉल से कराई जाएगी हाजिरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सरकार ने लोगों को बेहतर इलाज देने के लिए नंदानगर के पुराने प्रसूति गृह को अपग्रेड कर 100 बिस्तरों का सिविल अस्पताल बना दिया। अस्पताल में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, उपकरण और तमाम सुविधाएं जुटाई गईं। यहां समय पर मरीज तो पहुंच रहे हैं, लेकिन डॉक्टर नहीं। सोमवार सुबह भी 9 बजे ओपीडी शुरू होने का समय था, लेकिन मरीज अस्पताल पहुंच गए और डॉक्टर स्टाफ नदारद थे। डॉक्टरों के कैबिन खाली पड़े रहे और मरीज करीब एक घंटे तक इलाज के लिए इंतजार करते रहे।

9 बजे मरीज, 10 बजे डॉक्टर-सोमवार सुबह इलाज के लिए नंदानगर सिविल अस्पताल पहुंचे आयुष शर्मा ने सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी से शिकायत की है। आयुष के मुताबिक वे सुबह करीब 9 बजे अस्पताल पहुंच गए थे, लेकिन उस वक्त अस्पताल में डॉक्टर तो दूर, अधिकांश पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ भी मौजूद नहीं था। अस्पताल में केवल वार्ड बॉय नजर आया। डॉक्टरों के कैबिन खाली पड़े थे। इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे आयुष को करीब एक घंटे तक डॉक्टर का इंतजार करना पड़ा। आखिरकार करीब 10 बजे डॉक्टर पहुंचे और उनका परीक्षण हो सका।

सीएमएचओ ने निकाला वीडियो कॉल वाला फॉर्मूला

नंदानगर की शिकायत अकेली नहीं है। डॉक्टरों और स्टाफ के समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने की लगातार शिकायतें स्वास्थ्य विभाग तक पहुंच रही थीं। आखिरकार सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने अब सीधे निगरानी का आदेश जारी कर दिया है। सभी जोनल चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हर कार्यदिवस सुबह ठीक 9 बजे अपने क्षेत्र के किसी भी दो अस्पतालों में वीडियो कॉल करेंगे। वीडियो कॉल पर देखा जाएगा- अस्पताल में डॉक्टर मौजूद हैं या नहीं? पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ ड्यूटी पर पहुंचा या नहीं? अगर कोई डॉक्टर या कर्मचारी बिना सूचना के ड्यूटी से गायब मिला तो सीधे अनुपस्थिति दर्ज कर उस दिन का वेतन काटा जाएगा।

लालबाग पैलेस में राजाओं के बैठने के सोफे दिल्ली से होंगे तैयार

6 करोड़ की लागत से चल रहा काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ऐतिहासिक धरोहर लालबाग पैलेस परिसर के भीतरी भाग में इन दिनों कई काम चल रहे हैं। महल के भीतर बैंकवेट हाल में होलकर कालीन पर्दों से लेकर सोफे के कपड़े और डिजाइन दिल्ली में की तैयार हो रही है। पिछले दिनों दिल्ली की टीम ने यहां से डिज़ाइन आदि देखी और नाप भी लिए हैं।

बताया जा रहा है कि भोजन कक्ष, कुर्सियों से लेकर होलकर कालीन राजा महाराजाओं के बैठने के लिए कई तरह के सोफों और बैठक व्यवस्था को अब बदला जा रहा है लेकिन उनके कपड़ों में किसी तरह का बदलाव न हो एवं डिज़ाइन में परेशानी न हो ताकि पर्यटकों को आकर्षक दिख सकें। इसके लिए लगातार काम चल रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से यहां पर कई काम हो रहे हैं, जिसमें से लालबाग पैलेस के महल के भीतरी भाग में इन दिनों कई काम चल रहे हैं। सोफो की कुशिंग जैसे होलकर कालीन के समय थी और उसी दौरान का जो कपड़ा था उसी से मिलता जुलता और लगभग उसी तरह की डिज़ाइन को विशेष तौर से दिल्ली की टीम तैयार कर रही है। इसे पुरातत्व विभाग तैयार करवा रहा है, जो अगले साल तक संभवत: काम पूरा हो जाएगा। होलकरों की शान बरकरार रहे। इसका भी विशेष ख्याल रखा जा रहा है।

नए टेंडर में निगम ने रखी सख्त शर्त, नियम तोड़ा तो एजेंसी पर जुर्माना और कार्रवाई

आठ साल पुरानी रोड स्वीपिंग मशीनें अब इंदौर की सड़कों पर नहीं चलेंगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की सड़कों को धूल और कचरे से साफ रखने में अहम भूमिका निभाने वाली रोड स्वीपिंग मशीनों को लेकर नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। नए टेंडर में निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि 8 साल से अधिक पुरानी रोड स्वीपिंग मशीनों का संचालन शहर में नहीं किया जा सकेगा। नई एजेंसी को ऐसी मशीनें ही उपलब्ध करानी होंगी, जिनकी उम्र 1 से 8 वर्ष के बीच हो।

इंदौर में वर्ष 2017 से रोड स्वीपिग मशीनों का इस्तेमाल सफाई व्यवस्था में किया जा रहा है। इन मशीनों के कारण सड़क के किनारों और डिवाइडर के आसपास जमा धूल को हटाना आसान होता है।

आधुनिक मशीनों से सफाई को बेहतर बनाएंगे-निगम स्वास्थ्य विभाग के अपर आयुक्त प्रखर सिहने बताया कि शहर में करीब 24 रोड स्वीपिग मशीनें चल रही हैं। इनमें से कई मशीनें

पुरानी हो चुकी हैं। इसी कारण नईएजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। निगम का उद्देश्य आधुनिक मशीनों के माध्यम से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

पुरानी मशीन मिली तो की जाएगी कार्रवाई-निगम ने टेंडर की शर्तों में मशीनों की उम्र को लेकर विशेष प्रावधान किया है। किसी भी स्थिति में 8 साल से अधिक पुरानी मशीन शहर की सफाई में नहीं लगाई जा सकेगी। मशीन की उम्र अधिक पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ जुर्माना और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रोड स्वीपिंग पर 38 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष हो रहे खर्च

रोड स्वीपिंग मशीनों के इस्तेमाल से मानव श्रम और समय दोनों की बचत होती है। नगर निगम के सफाई कर्मचारी जहां 4 से 5 घंटे में करीब 3 से 4 किलोमीटर क्षेत्र में सफाई कर पाते हैं, वहीं रोड स्वीपिग मशीन करीब एक घंटे में इतना काम पूरा कर देती है। मशीनों की मदद से सड़क से भारी कचरा हटाने का काम भी किया जा सकता है। इन मशीनों के संचालन और सफाई व्यवस्था पर नगर निगमहर साल करीब 38 करोड़ खर्च करता है।

होलकर कॉलेज में लाइब्रेरी का गेट बंद, सुरक्षा पर सवाल

देर रात तक पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को सुनसान रास्तों से होकर जाना पड़ रहा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शासकीय होलकर साइंस कॉलेज परिसर में स्थित मुख्यमंत्री परीक्षार्थी सुविधा केंद्र (लाइब्रेरी) का एक प्रमुख गेट बंद किए जाने से वहां पढ़ने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेज प्रबंधन की ओर से इंडियन कॉफी हाउस की तरफ वाले गेट पर ताला लगा दिए जाने के कारण देर रात तक पढ़ाई करने वाले छात्रों, विशेषकर छात्राओं को असुरक्षित और सुनसान रास्तों से होकर घूमकर जाना पड़ रहा है। वहीं महाविद्यालय के भी हजारों विद्यार्थी परेशान हो रहे हैं।

2 किलोमीटर का लंबा चक्कर और सुरक्षा का खतरा भी

छात्र अभिषेक रघुवंशी ने बताया लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं (एमपीपीएससी, यूपीएससी, एसएससी, व्यापमं) की तैयारी करने वाले लगभग 300 विद्यार्थी आते हैं, जिनमें करीब 150 छात्राएं शामिल हैं।

कलेक्टर से गुहार लगाने जाएंगे छात्र- छात्राएं

कॉलेज प्रबंधन से कोई सहयोग न मिलने के बाद अब पीड़ित विद्यार्थियों ने प्रशासनिक अधिकारियों का रुख करने का फैसला किया है। विद्यार्थी मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्या रखेंगे। इसके साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की अतिरिक्त संचालक को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा जाएगा। छात्रों की मांग है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छोटे गेट को तुरंत खोला जाए और वहां चेकिंग व्यवस्था लागू की जाए।

छात्रों का कहना है कि कॉफी हाउस वाले गेट से लगभग 80 फीसदी विद्यार्थियों का आवागमन होता था। अब इस गेट पर ताला लगाकर टीन शेड लगा दिए जाने से छात्राओं को हॉस्टल या अपने गंतव्य तक जाने के लिए लगभग 2 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। छात्राओं के अनुसार मुख्य मार्ग वाला रास्ता बेहद सुनसान रहता है, जहां स्ट्रीट लाइटें भी बंद रहती हैं। रात 9 से 10 बजे के बीच जब लाइब्रेरी बंद होती है, तो उस समय रास्ते में असामाजिक तत्वों और शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था या सीसीटीवी कैमरे न होने के कारण छात्राओं में भय का माहौल है, जिससे वे देर रात तक पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं।

प्रबंधन ने आवेदन लेने से भी किया इंकार

अभिषेक ने बताया विद्यार्थियों ने जब अपनी समस्या को लेकर कॉलेज प्राचार्या से मुलाकात की और एक छोटा गेट खोलने व परिचय पत्र देखकर प्रवेश देने का सुझाव दिया, तो प्रबंधन का रवैया निराशाजनक रहा। प्राचार्या ने आवेदन पत्र लेने से भी इंकार कर दिया और कहा कि वे खुद लाइब्रेरी संचालन से परेशान हैं। प्रबंधन हमें कहता है कि सुरक्षा कारणों से गेट बंद किया गया है और छात्र चाहें तो कहीं से भी घूमकर जाएं।

सिर्फ ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर ही हुआ शुरू, टेंडर प्रक्रिया में उलझा मामला

जिला अस्पताल में एक महीने बाद भी फर्नीचर का काम अधूरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला अस्पताल में निर्माण कार्य पूरा होने के लगभग एक माह बाद भी व्यवस्थाएं पटरी पर नहीं आ पा रही हैं। स्थिति यह है कि अस्पताल के अधिकांश फ्लोर पर फर्नीचर का काम अधूरा है, जिसके चलते सभी फ्लोर अभी खाली पड़े हुए हैं और डॉक्टर्स कैबिनों में बैठकर गप्पे मार रहे हैं। जिला अस्पताल में केवल ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर ही फर्नीचर का काम हो पाया है, जिसके चलते सिर्फ इन दोनों तलों पर ही अस्पताल का संचालन हो रहा है और फिलहाल यहां केवल गायनिक (महिला एवं प्रसूति

रोग) विभाग ही चल रहा है। अन्य सभी फ्लोर खाली पडे हैं और उनमें सेवाएं शुरू होना बाकी है।

अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर भूपेंद्र शेखावत का कहना है कि हाउसिंग बोर्ड ने अब तक फर्नीचर का काम ही नहीं किया है तो हम अस्पताल का संचालन कैसे करें वहीं, हाउसिंग बोर्ड के जिम्मेदारों का कहना है कि फर्नीचर मूल अनुबंध यानि एग्रीमेंट का हिस्सा नहीं था, इसलिए हमें टेंडर जारी करना पड़ा, जो व्यस्तता के चलते ओपन नहीं कर पा रहे हैं। बोर्ड का दावा है कि टेंडर खुलते ही अगले एक से डेढ़ महीने में फर्नीचर का काम पूरा कर लिया जाएगा।

व्यवस्थाओं पर असर, मरीजों को नहीं मिल रहा पूरा लाभ

अस्पताल के पास पर्याप्त और आधुनिक ढांचा होने के बावजूद सिर्फ फर्नीचर और इंटीरियर के काम में देरी के कारण मरीजों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। लोग लंबे समय से जिला अस्पताल के पूरी तरह शुरू होने का इंतजार कर रहे है, लेकिन विभागों के बीच चल रही इस टालमटोल और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अब देखना यह होगा कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा बताए गए एक से डेढ़ महीने के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी होकर फर्नीचर का काम धरातल पर उतर पाता है या नहीं।

बरसता पानी... फिर भी स्कूल जाना जरूरी

देपालपुर में जोरदार बारिश इसी बारिश के बीच स्कूली बच्चे छाता लेकर स्कूल पहुंच रहे हैं बहुत दिनों के बाद बारिश आई है इसी को लेकर स्कूली बच्चे उत्साह में नजर आए

चेक बाउंस से परेशान नगर निगम, एक लाख से कम का चेक अब नहीं होगा स्वीकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कम के संपत्तिकर, जलकर, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शुल्क सहित अन्य करों के भुगतान पर चेक स्वीकार नहीं करने के निर्णय पर अब शहरवासियों की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। नगर निगम चेक बाउंस से परेशान है, अधिकारियों ने तर्क दिया है कि चेक बाउंस होने से नगर निगम का राजस्व प्रभावित होता है, समय पर राशि नहीं मिलती है, वहीं दूसरी और पूर्व पार्षद ने निर्णय को वापस लेने की मांग की है।

छोटे करदाताओं पर असर पूर्व कांग्रेसी पार्षद दिलीप कौशल ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम परिषद के सभापति मुन्नालाल यादव को विधिक अभ्यावेदन देकर आदेश तत्काल वापस लेने की मांग की है कौशल का कहना है कि चेक की सुविधा बंद होने से छोटे व्यापारी, गृहस्वामी, वरिष्ठ नागरिक और डिजिटल भुगतान का नियमित उपयोग नहीं करने वाले करदाताओं को परेशानी होगी। उनका सवाल है कि 1 लाख की सीमा किस वैधानिक नीति या सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के आधार पर तय की गई है।

वैधानिक अधिकारों पर सवाल: कौशल ने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण भुगतान व्यवस्था में बदलाव केवल प्रशासनिक आदेश से किया गया है। उन्होंने मध्यप्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1956 की संबंधित धाराओं का हवाला देते हुए आदेश की वैधानिकता की जांच की मांग की है। साथ ही इसे अधिकार क्षेत्र से बाहर की कार्रवाई के रूप में जांचने की मांग की है। कौशल ने प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को भी अभ्यावेदन देकर आदेश की वैधानिकता की जांच होने तक इसके क्रियान्वयन पर रोक की मांग की है।

डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड में एमजीएम देश में दूसरे नंबर पर, रोज 10 हजार मरीजों का रजिस्ट्रेशन, प्रदेश में सबसे आगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड तैयार करने के मामले में कॉलेज देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, मध्यप्रदेश में यह पहले स्थान पर है। कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में प्रदेश के सबसे अधिक मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज किए जा रहे हैं। कॉलेज से जुड़े एमवाय अस्पताल, चाचा नेहरू अस्पताल, सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल, एमटीएच अस्पताल और कैंसर अस्पताल सहित अन्य संस्थानों में रोजाना करीब 10 हजार मरीजों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने मरीजों के डिजिटल रजिस्ट्रेशन को

प्राथमिकता दी है। इसके चलते रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी आई है। दो माह पहले स्वास्थ्य आयुक्त धनराजू एस ने भी इस संबंध में दौरा कियाा थाा।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश में एक मजबूत डिजिटल हेल्थ सिस्टम तैयार करना है। इसके तहत मरीज के मेडिकल रिकॉर्ड को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जा रही है। इसमें मरीज की बीमारी, डॉक्टर की सलाह, इलाज, दवाइयों और जांच से जुड़ी जानकारी दर्ज की जा सकती है। अभी मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के दौरान पुराने पर्चे, जांच रिपोर्ट और दवाइयों का रिकॉर्ड संभालकर रखना पड़ता है। डिजिटल रिकॉर्ड बनने के बाद इन दस्तावेजों पर निर्भरता कम होगी। इसके तहत मरीज का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आईडी बनाया जाता है। इसके माध्यम से मरीज का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा जा सकता है। मरीज देश के किसी अन्य पंजीकृत अस्पताल में इलाज कराने जाता है तो आईडी के माध्यम से उसका उपलब्ध डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड देखा जा सकेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।